राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार 22 जून 2024 वर्ष–7,अंक–149 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

स्विस बैंकों में रखा भारतीयों का पैसा गायब

नई दिल्ली। स्विट्जलैंड के केंद्रीय बैंक की ओर से बृहस्पतिवार को जारी वार्षिक आंकड़ों के अनुसार, भारतीय व्यक्तियों और कंपनियों द्वारा जमा धन, 2023 में 70 प्रतिशत की तेज गिरावट के साथ चार साल के निचले स्तर 1.04 अरब स्विस फ्रैंक (9,771 करोड़ रुपये) पर आ गया है। यह 2021 में 14 साल के उच्चतम स्तर 3.83 अरब स्विस फ्रैंक पर पहुंच गया था। स्विस नेशनल बैंक (एसएनबी) को बैंकों द्वारा बताए गए आधिकारिक आंकड़े हैं और इनका स्विटजरलैंड में भारतीयों द्वारा रखे गए कथित काले धन से कोई संबंध नहीं है। इन आंकड़ों में वह धन भी शामिल नहीं है जो भारतीयों, अप्रवासी भारतीयों (एनआरआई) या अन्य लोगों ने तीसरे देश की संस्थाओं के नाम पर स्विस बैंकों में जमा किया हो। स्विस अधिकारियों ने हमेशा यह कहा है कि स्विट्जरलैंड में भारतीय निवासियों द्वारा रखी गई संपत्ति को 'काला धन' नहीं माना जा सकता है और वे कर धोखाधड़ी और चोरी के खिलाफ लड़ाई में भारत का सक्रिय रूप से समर्थन करते हैं। स्विस नेशनल बैंक के मुताबिक, 2023 के अंत में स्विस बैंकों की भारतीय ग्राहकों को कुल देनदारियों में 103.98 करोड़ स्विस फ्रैंक बताए गए हैं। इनमें ग्राहक जमा में 31 करोड़ स्विस फ्रैंक (2022 के अंत में 39.4 करोड़ स्विस फ्रैंक से कम), अन्य बैंकों के माध्यम से रखे गए 42.7 करोड़ स्विस फ्रैंक (111 करोड़ स्विस फ्रैंक से कम), न्यासों या ट्रस्टों के माध्यम से एक करोड़ स्विस फ्रैंक (2.4 करोड़ स्विस फ्रैंक से कम) और बॉन्ड, प्रतिभूतियों और विभिन्न अन्य वित्तीय साधनों के रूप में ग्राहकों को देय अन्य राशियों के रूप में 30.2 करोड़ स्विस फ्रैंक (189.6 करोड़ स्विस फ्रैंक से कम) शामिल हैं। स्विट्जरलैंड और भारत के बीच कर मामलों में सूचनाओं का स्वचालित आदान-प्रदान 2018 से लागू है। इस ढांचे के तहत, 2018 से स्विस वित्तीय संस्थानों में खाते रखने वाले सभी भारतीय नागरिकों की विस्तृत वित्तीय जानकारी पहली बार सितंबर 2019 में भारतीय कर अधिकारियों को प्रदान की गई थी और इसका पालन हर साल किया जा रहा है। स्विस नेशनल बैंक की मानें तो भारतीयों द्वारा रखी कुल राशि 2006 में 6.5 अरब स्विस फ्रैंक के रिकॉर्ड उच्चतम स्तर पर थी।

कोकून नीलामी बाजार का उद्घाटन, जम्मू-कश्मीर के खरीदार भी लेंगे भाग

उधमपुर। मेहलात, उधमपुर में कोकून नीलामी बाजार का उपायुक्त सलोनी राय ने उद्घाटन किया। यह बाजार उधमपुर जिले में रामकोट से चेनानी और बसंतगढ़ से पंचारी, मुंगरी तक करीब पांच जहार पालकों को सेवाएं देगा। पालक इस बाजार में अपने कोकून बेचेंगे, जिससे कर्नाटक और पश्चिम बंगाल के खरीदार आकर्षित होंगे, जिनके द्वारा करीब 90फीसदी उपज खरीदने की उम्मीद है। इसमें जम्मू-कश्मीर के स्थानीय खरीदार भी हिस्सा ले रहे हैं। यह बाजार 13 जुलाई, 2024 तक संचालित होगा, जिसमें सूखे कोकून के लिए न्यूनतम मूल्य 800 रुपए प्रति किलो होगा जो पहले 510 रुपए प्रति किलो था। निदेशक रेशम विकास विभाग जम्मू-कश्मीर एजाज अहमद भट के निर्देश पर एक जागरूकता शिविर भी लगाया गया था, इस दौरान उपायुक्त द्वारा किसानों को पालन उपकरण वितरित किए गए। उपायुक्त ने पालकों से चर्चा की और उनके सामने आने वाली चुनौतियों की जानकारी भी ली। जिला रेशम अधिकारी उधमपुर ने डीसी उधमपुर का स्वागत किया और जिले में विभाग की उपलब्धियों पर एक रिपोर्ट भी पेश की।

आसाराम एम्स में भर्ती, सीने में उठा था दर्द

जोधपुर। दुष्कर्म के मामले में ताउम्र जेल में रहने की सजा काट रहे आसाराम बापू को सीने में दर्द की शिकायत के बाद जोधपुर के एम्स में भर्ती कराया गया है। आसाराम ने सीने में दर्द की शिकायत की थी, जिसके बाद जेल अधिकारी जेल डिस्पेंसरी ले गए, जहां आसाराम का इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम टेस्ट किया गया। गुरुवार को नियमित जांच के लिए एम्स ले जाया गया, जहां उसे एनीमिया पाया गया। आसाराम की अन्य जांच रिपोर्ट सामान्य थीं। जांच के बाद आसाराम जेल भेज दिया गया। इसके बाद गुरुवार देर रात सीने में दर्द की शिकायत पर आसाराम को दोबारा एम्स ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने आसाराम को भर्ती कर लिया। इससे पहले आसाराम ने जोधपुर के एक निजी अस्पताल में आयुर्वेदिक इलाज कराने की राजस्थान हाई कोर्ट से इजाजत मांगी थी, जिसे कोर्ट ने मंजूरी दे दी थी।

दुनिया भर में योग लोगों की पहली प्राथमिकता बन चुका है: पीएम मोदी

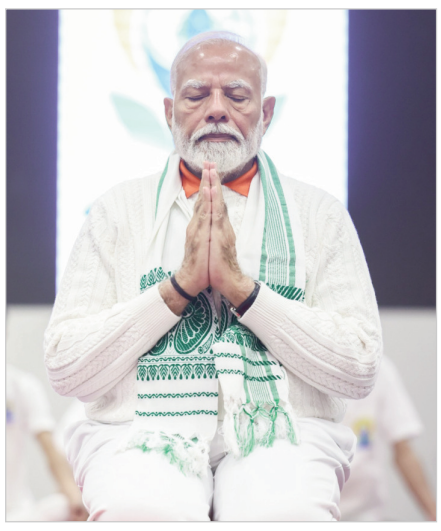

जम्मू। (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा मुझे खुशी है कि आज देश में 100 से ज्यादा बड़े संस्थानों को मान्यता मिली है। विदेश के 10 बड़े संस्थानों ने भी भारत से मान्यता प्राप्त की है। पीएम मोदी ने कहा कि आज पूरी दुनिया में योग करने वालों की संख्या निरंतर बढ़ रही है। योग के प्रति आकर्षण और योग की उपयोगिता भी बढ़ रही है। जन सामान्य कन्विंस हो रहा है। पीएम ने कहा कि मैं विश्व में जितने भी ग्लोबल लीडर्स से मिलता हूं, शायद ही कोई ऐसा हो जो शायद योग की बात न करें। दुनिया में योग करने वालों की तादात बढ़ रही है। विश्व के कई देशों में योग दिनचर्या का हिस्सा बन रहा है। सऊदी में तो योग एजुकेशन सिस्टम में ही शामिल है। योग पर आज रिसर्च हो रही है। नेता भी अब योग की बातें करते हैं. योग से समाज में बदलाव आ रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया के सभी वरिष्ठ नेताओं को जब भी मौका मिलता है वह योग की चर्चा जरूर कर अपनी जिज्ञासा को समाप्त करते हैं। मंगोलिया में भी मंगोलिया योग फाउंडेशन के तहत कई स्कूल चलाए जा रहे हैं। दुनिया के अन्य देशों में भी योग का चलन तेजी से बढ़ा है। जर्मनी में आज करीब 1 करोड़ लोग योग प्रेक्टिशनर बन चुके हैं। इसी साल भारत में फ्रांस की 101 साल की महिला योग टीचर को पद्मश्री अवॉर्ड दिया गया था, जबकि वह कभी भारत नहीं आईं लेकिन उन्होंने योग प्रचार के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। आज विश्व के बड़े-बड़े इंस्टीट्यूशन्स और यूनिवर्सिटीज में योग को महत्व दिया जा रहा है।

बारिश की वजह से योग दिवस का कार्यक्रम बाधित

कश्मीर में शुक्रवार तड़के हुई बारिश के कारण अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कई कार्यक्रम बाधित हो गए। इस कारण डल झील के किनारे योग दिवस पर आयोजित मुख्य समारोह भी अभी तक आरंभ नहीं हो सका। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस समारोह का नेतृत्व करने वाले थे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।शेर-ए-कश्मीर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र (एसकेआईसीसी) में मुख्य समारोह सुबह साढ़े छह बजे शुरू होना था। अधिकारियों ने बताया कि घाटी में मध्यम से भारी बारिश होने की खबर है जिससे खुले में योग करना मुश्किल हो गया है। उन्होंने बताया कि डल झील के आसपास भारी बारिश हो रही है जहां प्रधानमंत्री मोदी योग कार्यक्रम का नेतृत्व करने वाले थे।

दुनियाभर में बज रहा योग का डंका

दुनिया के कितने ही देशों में योग रोजाना जीवनपद्धति का हिस्सा बन रहा है। 2015 में तुर्कमेनिस्तान में योग सेंटर का उद्घाटन किया था। यहां की एक मेडिकल युनिवर्सिटी में योग को शामिल किया गया है। सऊदी अरब में योग को अपने एजुकेशन सेंटर में शामिल किया गया है। मंगोलिया में कई योग के स्कूल चलाए जा रहे हैं। आपको ध्यान होगा कि इसी साल भारत में फ्रांस की 101 साल की महिला योग टीचर को पद्मश्री दिया गया। वह कभी भारत नहीं आईं लेकिन योग के लिए जीवन को समर्पित कर दिया। 2015 में कर्तव्य पथ पर 35 हजार लोगों ने साथ में योग किया। इसका अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड बन गया। पिछले साल न्यूयॉर्क में यूएन के हेडक्वार्टर में 130 देशों के प्रतिनिधियों ने साथ में योग किया। विदेश के 10 बड़े संस्थानों ने भी योग को मान्यता दी है। पूरी दुनिया में योग करने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

राजस्थान पुलिस का ऑपरेशन एंटी वायरस.....

साइबर अपराध पर सर्जिकल स्ट्राइक

अब तक 400 साइबर ठगों को गिरफ़्तार किया

भरतपुर । (एजेंसी)

राजस्थान के भरतपुर में साइबर अपराध पर नकेल कसने के लिए पुलिस ने बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक की है। पुलिस ने रेड को ऑपरेशन एंटी वायरस नाम दिया है। दरअसल साइबर ठगी और सैक्सटॉर्शन को लेकर बीते कई दिनों से राजस्थान का मेवात इलाक़ा बदनाम हो रहा है। शर्मा सरकार को लगातार इस अपराध से जुड़ी शिकायतें मिल रही थीं। इसके बाद साईबर अपराधियों के तंत्र को ध्वस्त करने के लिए सीएम भजनलाल शर्मा ने पुलिस को ज़िम्मेदारी सौंप दी।

हरियाणा और उत्तर पूर्वी राजस्थान का मेवात इलाका इन अपराधों का एपिसेंटर माना जाता है। भरतपुर जिले का डीग भी इस इलाके में आता है। यहां से आए साइबर ठगी के आंकड़े बेहद चौंकाने वाले हैं। दावा है कि इलाके से साइबर ठगों ने दुनियाभर से अब तक 7 हज़ार करोड़ से ज़्यादा की ठगी की है।

इस बार आईजी राहुल प्रकाश ने बताया कि मोबाइल की लोकेशन को ट्रेस करते हुए छापेमारी के लिए दो टीमें बनाई गईं। एक टीम जीप में रवाना हुई, दूसरी टीम बाइक पर रवाना हुई। टीम दस किलोमीटर दूर भौंरी गांव पहुंच गई, यहां ठगों की तलाशी के लिए घेराबंदी शुरू कर दी गई। दो मंजिला मकान का चप्पा-चप्पा छाना गया और आखिरकार कुछ घरों की तलाशी के बाद चार साइबर ठगों को धर दबोचा गया। इन्हीं में से एक शाकिब था, जिसने बताया कि कैसे वहां अपनी टीम के साथ लोगों को अपने जाल में फंसाता था। साइबर ठग शाकिब और उसके साथी इस कॉल सेंटर पर कैसे ड्रीम इलेवन गेम से ठगी करते थे। अब इन आरोपियों से सख़्ती से पूछताछ की जाएगी, जिसके बाद ये पता चलेगा कि इस फर्जीवाड़े से इन लोगों ने कितने मासूमों को अपने जाल में फंसाया है।

दरअसल इन साइबर ठगों के अलग अलग गैंग हैं। कुछ गैंग पश्चिम बंगाल, असम, और दक्षिण भारत से फर्जी सिम खरीद कर लाते है। तब कुछ गैंग पैसे निकालने के लिए एटीएम और स्वाइप मशीनों का बंदोबस्त करते हैं। लेकिन इस सायबर ठगी में सबसे कुख्यात सैक्सटॉर्शन गैंग को माना जाता है। ये गैंग विडियो चैट, वॉट्सएप और फ़ेसबुक जैसे सोशल मीडिया नेटवर्क से लोगों को अपना शिकार बनाता है। ऑपरेशन एंटी वायरस के द्वारा अब तक 400 सायबर ठगों को गिरफ़्तार किया जा चुका है। खास बात ये कि इस धंधे को सायबर ठग बेहद व्यवस्थित रूप से चलाते हैं।

इनके घरों में नोट गिनने की मशीनें और मिनी एटीएम तक लगे हैं। चौंकाने वाली बात ये भी है कि इसमें एटीएम कंपनियों की भी मिलीभगत है। दावा ये भी किया जाता है कि मेवात के इन सायबर ठगों ने जयपुर और दिल्ली जैसे महानगरों में कोठियां और बड़े-बड़े फ़्लैट खरीद रखे हैं, लेकिन जब से ऑपरेशन एंटी वायरस शुरू किया गया है, तब से सायबर अपराध में 55 फीसदी की कमी भी दर्ज की गई है।

तमिलनाडु में जहरीली शराब से मरने वालों की संख्या 47 हुई, कई गंभीर

-सीएम ने कहा-लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा

चेन्नई। (एजेंसी) तमिलनाडु के कल्लाकुरिची जिले में जहरीली शराब पीने से मरने वाले लोगों की संख्या 47 पहुंच गई है। 60 से ज्यादा लोग अस्पतालों में भर्ती कराए गए हैं। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने घटना पर दुःख व्यक्त किया और इसे रोकने में विफल रहने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। स्टालिन ने मृतकों के परिवार को दस-दस लाख रुपए और अस्पताल में भर्ती लोगों को 50-50 हजार रुपए देने की घोषणा की है। पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी गोकुलदास की मौजूदगी में गठित एक सदस्यीय आयोग ने मामले की जांच करने की घोषणा की है, जिसकी रिपोर्ट तीन महीने के अंदर पेश करने को कहा गया है। स्टालिन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कल्लाकुरिची में मिलावटी शराब पीने वाले लोगों की मौत की खबर सुनकर मैं स्तब्ध और दुःखी हूं। इस अपराध में शामिल लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसे रोकने में विफल रहने वाले अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है।

राज्यपाल आर.एन. रवि ने भी शोक व्यक्त करते हुए बीमारों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कहा कि कल्लाकुरिची में अवैध शराब के सेवन से हुई मौतों से गहरा सदमा लगा है। कई और पीड़ित गंभीर हालत में हैं और जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना है और अस्पतालों में भर्ती लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। राज्य के कई हिस्सों से अवैध शराब के सेवन से अक्सर लोगों की दुःखद मौत की खबरें आती हैं।

अल्पमत में सैनी सरकार, कांग्रेस ने की विधानसभा भंग करने की मांग

राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन, लगाएं राष्ट्रपति शासन

चंडीगढ़।

हरियाणा की नायब सैनी सरकार पर अल्पमत में होने का आरोप लगाते हुए विपक्ष दल के विधायकों ने राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से मुलाकात कर प्रदेश विधानसभा को भंग करने और राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की है। नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में विधानसभा में कांग्रेस के उपनेता आफताब अहमद, चीफ व्हीप बीबी बत्तरा, विधायक गीता भुक्कल और बीएल सैनी के अलावा प्रदेश अध्यक्ष उदयभान, कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्र भारद्वाज और मीडिया प्रभारी चांदवीर हुड्डा राजभवन पहुंचकर राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि करनाल उपचुनाव में बीजेपी की जीत के बावजूद सदन में इस दल के विधायकों की संख्या 41 ही है। इसके अलावा हरियाणा लोकहित पार्टी के एक विधायक गोपाल कांडा और एक निर्दलीय विधायक नयनपाल रावत सरकार को समर्थन दे रहे हैं। बीजेपी के पास इस समय कुल मिलाकर 43 विधायक हैं। सदन में विधायकों की संख्या 87 होने के कारण बीजेपी अल्पमत में है। राज्यपाल दत्तात्रेय से इस मामले में हस्तक्षेप की मांग करते हुए कांग्रेस ने कहा कि वह सरकार को तुरंत प्रभाव से बर्खास्त कर प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लागू करवाने की सिफारिश करें। प्रदेश की जनता को बहुमत वाली सरकार चुनने का अवसर प्रदान किया जाए। राज्यपाल से मुलाकात के बाद पत्रकारों से हुड्डा ने कहा कि वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में बीजेपी नैतिकता के आधार पर सदन में बहुमत साबित करे। मौजूदा सरकार जनता का विश्वास खो चुकी है। हॉर्स ट्रेडिंग रोकने के लिए कांग्रेस राज्यपाल के पास गई है, ताकि प्रदेश में नए सिरे से चुनाव करवाकर सरकार का गठन किया जाए। दस मई को कांग्रेस की तरफ से राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा था। इसमें कांग्रेस ने नायब सैनी सरकार के अल्पमत में होने का हवाला देकर फ्लोर टेस्ट की मांग उठाई थी। इस बीच सदन में कांग्रेस के विधायकों की संख्या कम होकर 28 तक पहुंच गई है, जिसके बाद कांग्रेस ने फ्लोर टेस्ट की मांग को छोड़ते हुए सरकार को भंग करने की मांग उठाई है।

सीएम केजरीवाल को हाईकोर्ट से झटका, जमानत पर लगा दी रोक

नई दिल्ली। (एजेंसी)

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को बीते रोज बड़ी राहत मिली थी। उन्हें जमानत मिलने से आम आदमी पार्टी खुशियां मना रही थी। लेकिन 24 घंटे भी नहीं हुए और सीएम के लिए फिर से वही मुसीबत आ गई। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को उनकी जमानत पर रोक लगा दी, जिसके एक दिन बाद एक ट्रायल कोर्ट ने उन्हें अब खत्म हो चुकी उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राहत दी थी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राउज एवेन्यू कोर्ट के जमानत आदेश को चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति सुधीर कुमार जैन और न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा की अवकाश पीठ ने ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही को प्रभावी ढंग से रोकते हुए कहा, जब तक उच्च न्यायालय मामले की सुनवाई नहीं करता, तब तक रुकें। ट्रायल कोर्ट (राउज़ एवेन्यू) के समक्ष कोई कार्यवाही तब तक शुरू नहीं होगी जब तक कि दिल्ली उच्च न्यायालय सुनवाई नहीं कर लेता। अदालत में गुरुवार को न्यायमूर्ति न्याय बिंदु की अवकाश पीठ ने केजरीवाल को जमानत दे दी, साथ ही आदेश पर 48 घंटे की रोक लगाने के ईडी के अनुरोध को भी खारिज कर दिया। ईडी का प्रतिनिधित्व कर रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने दिल्ली उच्च न्यायालय को सूचित किया कि एजेंसी को अपना मामला पेश करने का उचित अवसर नहीं दिया गया। राजू ने कहा, आदेश अभी तक अपलोड नहीं किया गया है। हमें विरोध करने का उचित अवसर नहीं मिला है। उन्होंने तर्क दिया कि उन्हें मामले पर बहस करने या लिखित प्रस्तुतियाँ दाखिल करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया था, और उन्होंने इस प्रक्रिया पर अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा, अवकाश न्यायाधीश के समक्ष मेरी दलीलें कम कर दी गईं। हमें प्रत्युत्तर का विकल्प नहीं दिया गया है यह बिल्कुल भी उचित नहीं है।पीएमएलए की धारा 45 का हवाला देते हुए, राजू ने अदालत से जमानत आदेश पर रोक लगाने और मामले की विस्तार से सुनवाई करने की अनुमति देने का आग्रह किया। ईडी की चुनौती के खिलाफ बचाव करते हुए वरिष्ठ वकील विक्रम चौधरी अरविंद केजरीवाल की ओर से पेश हुए। चौधरी ने जवाब दिया, ये सभी दलीलें सही नहीं हैं।

ममता ने फिर बढ़ाया भाजपा का टेंशन, अब जगन्नाथ मंदिर का करने जा रहीं उद्घाटन

कोलकाता। (एजेंसी)

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आए दिन भाजपा के लिए चुनौती खड़ी करती रहती हैं। अब उन्होंने जगन्नाथ मंदिर के उद्घाटन को लेकर भाजपा का टेंशन बढ़ा दिया है। ममता, जुलाई के पहले हफ्ते में पूर्वी मेदिनीपुर जिले के तटीय शहर दीघा में भव्य जगन्नाथ मंदिर का उद्घाटन करने वाली हैं। राज्य सरकार के सूत्रों के मुताबिक, 7 जुलाई से शुरू होने वाले रथ यात्रा उत्सव के पहले दिन मुख्यमंत्री बनर्जी इस नवनिर्मित मंदिर का उद्घाटन कर सकती हैं। खबरों के मुताबिक, मंदिर बनकर तैयार है लेकिन उद्घाटन के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तरफ से हरी झंडी मिलने का इंतजार है। अधिकारियों ने बताया कि सीएम बनर्जी रथ यात्रा उत्सव के दौरान ही इस मंदिर का उद्घाटन करेंगी लेकिन तारीख की आधिकारिक घोषणा तभी की जाएगी जब मुख्यमंत्री कार्यालय से औपचारिक तौर पर हरी झंडी मिल जाएगी। ममता बनर्जी ने उसी बंगाली हिन्दुओं की भावनाओं को भुनाने की कोशिश की है, ताकि 2026 के आगामी विधानसभा चुनावों में उन्हें इसका फायदा मिल सके और भाजपा के हिन्दुत्व की काट तैयार कर सकें। हालांकि, यह पहला मौका नहीं है, जब ममता हिन्दुत्व के रथ पर सवार होने जा रही हैं। इससे पहले भी वह हिन्दू धर्मावलंबियों तक पहुंचने के लिए कई योजनाएं लागू कर चुकी हैं। भाजपा द्वारा लगाए जा रहे मुस्लिम तुष्टीकरण के आरोपों के कुंद करने के लिए उन्होंने 2020 में उन्होंने 8000 गरीब ब्राह्मण पुजारियों के लिए 1000 रुपये की मासिक भत्ता योजना और मुफ्त आवास योजना की शुरुआत की थी। इसके अलावा पिछले कई सालों से तृणमूल कांग्रेस की ममता सरकार ने दुर्गा पूजा के दौरान दुर्गा पूजा समितियों को वित्तीय सहायता और बिजली शुल्क में सब्सिडी दी है। 2021 के विधानसभा चुनावों के दौरान ममता ने दावा किया था कि वह हर दिन चंडी पाठ करती हैं। इसकी विपक्ष ने आलोचना की थी। कुल मिलाकर देखें तो ममता मुस्लिम तुष्टिकरण के भाजपा के आरोपों को कुंद कर और हिन्दुत्व के रथ पर सवार होकर भाजपा को कड़ी टक्कर देना चाह रही हैं। हालिया लोकसभा चुनावों में भी ममता ने भाजपा पर बड़ी बढ़त बनाई है। इससे उनके हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ भाजपा को हिन्दू वोट बैंक खिसकने का डर सताने लगा है। इस भव्य मंदिर का निर्माण

पश्चिम बंगाल हाउसिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन द्वारा 143 करोड़ रुपये की लागत से कराया गया है। मंदिर परिसर न्यू दीघा रेलवे स्टेशन से सटे समुद्री तट पर 22 एकड़ में फैला है। इसकी डिजायनिंग और इंटरीयर का काम कोलकाता स्थित डिजायन स्टूडियो ने किया है। यह मंदिर ओडिशा के पुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर की प्रतिकृति के रूप में जगन्नाथ धाम के रूप में विकसित की गई है। जगन्नाथ धाम सीएम ममता का ड्रीम प्रोजेक्ट रहा है। उन्होंने 2019 में ही इस मंदिर की आधारशिला रखी थी। तब उन्होंने दावा किया था कि पुरी के जगन्नाथ मंदिर जैसी ही भीड़ यहां भी जुटेगी। मुख्यमंत्री ने तब कहा था कि समुद्री किनारा होने की वजह से पर्यटक पुरी की ही तरह सभी सुविधाओं का आनंद यहां भी उठा सकेंगे। बता दें कि बंगाली हिन्दू परिवारों के बीच भगवान जगन्नाथ के प्रति गहरी आस्था रही है। चूंकि 12वीं शताब्दी में चैतन्य महाप्रभु पुरी के जगन्नाथ मंदिर गए थे, इसलिए तब से ही बंगाली हिन्दू परिवारों में प्रभु जगन्नाथ के प्रति गहरी आस्था है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सनातन हिंदू संस्कृति का पूरे विश्व में फैलना आज विश्व शांति के लिए आवश्यक है

प्रहलाद सबनानी

आज एक बार पुनः भारत के भीतर जहां-जहां इस्लाम को मानने वाले लोगों की संख्या बहुलता को प्राप्त हो गई है, वहां वहां पर अनेक प्रकार की सामाजिक विसंगतियां, दमन और शोषण के नए-नए स्वरूप देखे जा रहे हैं। केरल, कश्मीर, पूर्वोत्तर भारत, बंगाल जहां जहां उनकी संख्या बहुलता में है, वहां -वहां दूसरे धर्म और जाति के लोग परेशान हैं। उपस्थित तथ्यों से सत्य को समझना चाहिए। इन आंकड़ों के आलोक में हमें समझना चाहिए कि हमारी बहू, बेटियां, महिलाओं की इज्जत कब तक सुरक्षित रह सकती है?

यूरोप में हाल ही में सम्पन्न हुए चुनावों में दक्षिणपंथी कहे जाने वाले दलों की राजनैतिक ताकत बढ़ी है। हालांकि सत्ता अभी भी वामपंथी एवं मध्यमार्गीय नीतियों का पालन करने वाले दलों की ही बने रहने की सम्भावना है परंतु विशेष रूप से फ्रान्स एवं जर्मनी में इन दलों को भारी नुक्सान हुआ है। इटली की देशप्रेम से ओतप्रोत दल की मुखिया जोरजीया मेलोनी को अच्छी सफलता हासिल हुई है। कुल मिलाकर यूरोपीय देशों के नागरिकों में देशप्रेम का भाव धीमे धीमे लौट रहा है एवं वे अब अपने अपने देश में अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों का विरोध करने लगे हैं। विशेष रूप से यूरोप के आस पास के मुस्लिम बहुल देशों से भारी संख्या में मुस्लिम नागरिक अवैध रूप से इन देशों में शरण लिए हुए हैं एवं अब वे इन देशों की कानून व्यवस्थ के लिए एक बहुत बड़ी समस्या बन गए हैं। जर्मनी एवं फ्रान्स ने मुस्लिम नागरिकों को मानवीय आधार पर अपने देश में बसाने में शिथिल नीतियों का पालन किया था और अब ये दोनों देश इस संदर्भ में विभिन्न समस्याओं का सबसे अधिक सामना कर रहे हैं।

आज जब कई मुस्लिम देश शिया एवं सुन्नी सम्प्रदाय के नाम पर आपस में ही लड़ रहे हैं तो उनका ईसाई पंथ को मानने वाले नागरिकों के साथ सामंजस्य किस प्रकार रह सकता है, अतः यूरोपीयन देशों के नागरिकों को अब अपने किए पर पश्तावा होने लगा है। ब्रिटेन में भी आज मुस्लिम समाज की आबादी बहुत बढ़ गई है एवं यहां का ईसाई समाज अपने आप को असुरक्षित महसूस करने लगा है क्योंकि मुस्लिम समाज द्वारा ईसाई समाज पर कई प्रकार के आक्रमण किया जाना आम बात हो गई है। ब्रिटेन के कई शहरों में तो मेयर आदि जैसे उच्च प्रशासनिक अधिकारियों के पदों पर भी मुस्लिम समाज के नागरिक ही चुने गए है अतः इन नगरों में सत्ता की चाबी ही अब मुस्लिम समाज के नागरिकों के हाथों में है, जिसे ईसाई समाज के नागरिक बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। इसी प्रकार, इजराईल (यहूदी समुदाय) एवं हम्मास (मुस्लिम समुदाय) के बीच युद्ध लम्बे समय से चल रहा है। ईरान (शिया समुदाय) - सऊदी अरब (सुन्नी समुदाय) के आपस में रिश्ते अच्छे नहीं है। पाकिस्तान में तो अहमदिया समुदाय एवं बोहरा समुदाय को मुस्लिम ही नहीं माना जाता है एवं इनको गैर मुस्लिम मानकर इन पर सुन्नी समुदाय द्वारा खुलकर अत्याचार किए जाते हैं। कुल मिलाकर, मुस्लिम समाज न केवल अन्य समाज के नागरिकों (यहूदी, ईसाई, हिंदू आदि) के साथ लड़ता आया है बल्कि इस्लाम के विभिन्न फिर्कों के बीच भी इनकी आपसी लड़ाई होती रही है।

इसके ठीक विपरीत, सनातन हिंदू संस्कृति का अनुपालन करते हुए कई भारतीय मूल के नागरिक भी अन्य देशों में रह रहे हैं एवं लम्बे समय से स्थानीय स्तर पर ईसाई समाज

एवं अन्य धर्मों के अनुयायियों के साथ मिल जुलकर रहते आए हैं। इन देशों में भारतीय मूल के नागरिकों एवं स्थानीय स्तर पर अन्य धर्मों के अनुयायियों के बीच कभी भी बड़े स्तर पर आक्रोश उत्पन्न होता दिखाई नहीं दिया है, क्योंकि सनातन हिंदू संस्कृति में ह्यवसुधैव कुटुम्बकमह्व एवं ह्यसर्वे भवंतु सुखिनःह्व का भाव हिंदू नागरिकों में बचपन से ही भरा जाता है।

इसी प्रकार के भाव का संचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी पिछले 99 वर्षों से अपने स्वयंसेवकों में जगाता आया है। संघ चाहता है कि संसार में सदुणों का बोलबाला हो। 27 सितम्बर 1933 को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक पूजनीय डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार, शस्त्र पूजा समारोह में अपने उदबोधन में कहते हैं कि संघ एक हिंदू संगठन है। संसार के सभी धर्मों में हिंदू धर्म ही एकमात्र ऐसा धर्म है, जिसका मुख्य गुण सद्गुण है और जो आत्मवत भूतेषु (सभी प्राणियों में अपने को देखना) की भावना से सभी जीवों के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करना सिखाता है। यह धर्म संसार में व्याप्त हिंसा और अन्याय को स्वीकार नहीं करता। इसलिए स्वाभाविक है कि प्रत्येक हिंदू ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाना चाहता है। लेकिन केवल उपदेश देने से संसार का स्वभाव नहीं बदलेगा। जब संसार को लगेगा कि हिंदू समाज सुसंगठित और सशक्त हो गया है, तो हमारे प्रति जो अनादर का भाव सर्वत्र दिखाई देता है, वह समाप्त हो जाएगा और संसार हमारी बात सुनेगा। हिंदू धर्म अनादि काल से यही करता आ रहा है और ऐसे पवित्र धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए ही संघ की शुरूआत हुई है।ह्व आजकल हिंदू समाज बहुत अव्यवस्थित हो गया है। संघ का एकमात्र उद्देश्य हिंदू समाज को इस तरह संगठित करना है कि हिंदू, हिंदुस्तान में गर्वित हिंदू के रूप में खड़े हो सकें और दुनिया को यह विश्वास दिला सकें कि हिंदू कोई ऐसी जाति नहीं है जो मरणासन्न अवस्था में हो। संघ चाहता है कि संसार में सदुणों का बोलबाला हो। संघ का लक्ष्य मानव जाति में व्याप्त राक्षसी प्रवृत्ति को दूर करना और उसे मानवता सिखाना है। संघ का गठन किसी से घृणा करने या उसे नष्ट करने के लिए नहीं हुआ है।ह्व

हाल ही में जारी की गई प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की रिपोर्ट में ह्यधार्मिक अल्पसंख्यकों की हिस्सेदारी का देशभर में विश्लेषणह्व नामक विषय के माध्यम से बताया गया है कि बहुसंख्यक हिंदुओं की आबादी 1950 और 2015 के बीच 7.82% घट गई है। जबकि मुस्लिमों की आबादी में 43.15% की वृद्धि हुई है। मुस्लिमों की 1950 में 9.84% रही आबादी 14.09% पर पहुंच गई है। ईसाई धर्म के लोगों की आबादी की हिस्सेदारी 2.24% से बढ़कर 2.36% हुई है। ठीक ऐसे ही सिख समुदाय की आबादी 1.24% से बढ़कर 1.85% हो गई है। भारत में सदुणों से ओतप्रोत हिंदू नागरिकों की जनसंख्या यदि इस प्रकार घटती रही तो यह भारत के साथ पूरे विश्व के लिए भी अच्छा संकेत नहीं है क्योंकि अल्पसंख्यक के नाम पर मुस्लिम आबादी (जो कि अपने धर्म के प्रति एक कट्टर कौम मानी जाती है तथा अन्य धर्मों के लोगों के प्रति बिलकुल सहशुण नहीं है और वक्त आने पर अन्य समाज के नागरिकों का कत्लेआम करने में भी हिचकिचाते नहीं है) में बेतहाशा वृद्धि होना, पूरे विश्व के लिए एक अच्छा संकेत नहीं माना जा सकता है।

यह बात ध्यान रखने वाली है कि ईरान कभी आर्यों का अर्थात पारसियों का देश था। इराक, सऊदी अरब ,पश्चिम एशिया के समस्त मुस्लिम देश 1400 वर्ष पूर्व भारतीय संस्कृति और सभ्यता को मानने वाले देश थे। तलवार के बल पर 57 देश इस्लाम को स्वीकार कर चुके हैं इनमें से कोई भी ऐसा देश नहीं है जो 1400 वर्ष पहले से अर्थात सनातन की भांति सृष्टि के प्रारंभ से मुस्लिम देश था। 1398 ईसवी में ईरान भारत से अलग हुआ, 1739 में नादिरशाह ने अफगानिस्तान को अपने लिए एक अलग रियासत के रूप में प्राप्त कर लिया, बाद में 1876 में यह एक स्वतंत्र देश के रूप में अस्तित्व में आ गया,1937 में म्यांमार बर्मा अलग हुआ, 1911 में श्रीलंका अलग हुआ और 1904 में नेपाल अलग हुआ। सांप्रदायिक आधार पर देश विभाजन का यह सिलसिला यहीं नहीं रुका इसके पश्चात 1947 में पश्चिमी एवं पूर्वी पाकिस्तान देश बना। पूर्वी पाकिस्तान आज बांग्लादेश के रूप में मानचित्र पर उपलब्ध है।

आज एक बार पुनः भारत के भीतर जहां-जहां इस्लाम को मानने वाले लोगों की संख्या बहुलता को प्राप्त हो गई है, वहां वहां पर अनेक प्रकार की सामाजिक विसंगतियां, दमन और शोषण के नए-नए स्वरूप देखे जा रहे हैं। केरल, कश्मीर, पूर्वोत्तर भारत, बंगाल जहां जहां उनकी संख्या बहुलता में है, वहां -वहां दूसरे धर्म और जाति के लोग परेशान हैं। उपस्थित तथ्यों से सत्य को समझना चाहिए। इन आंकड़ों के आलोक में हमें समझना चाहिए कि हमारी बहू, बेटियां, महिलाओं की इज्जत कब तक सुरक्षित रह सकती है? निश्चित रूप से तब तक जब तक कि भारतवर्ष सनातनी हिंदुओं के हाथ में है। हमें इतिहास से शिक्षा लेनी चाहिए कि अब हम सांप्रदायिक आधार पर देश का पुनः विभाजन नहीं होने दें। नोवाखाली जैसे नरसंहारों की पुनरावृत्ति अब हमारे देश में नहीं होनी चाहिए। भारत-पाकिस्तान के विभाजन के समय जिस प्रकार लाखों करोड़ों लोगों को घर से बेघर होना पड़ा था, उस इतिहास को अब दोहराया नहीं जाना चाहिए। भारत में आंतरिक स्थिति ठीक नजर नहीं आती है परंतु विश्व के कई अन्य देशों में सनातन संस्कृति को तेजी से अपनाया जा रहा है, तभी तो कहा जा रहा है कि विश्व में आज कई समस्याओं का हल केवल हिंदू सनातन संस्कृति को अपना कर ही निकाला जा सकता है।

संपादकीय

बढ़ती गर्मी, घटता पानी

गर्मी के कारण हाल बेहाल है। समूचा उत्तर भारत तप रहा है। बुजुर्गों की स्मृति में भी नहीं है कि उन्होंने पहले कभी इतनी प्रचंड गर्मी की लगातार मार सही हो। दिल्ली और एनसीआर जैसे क्षेत्रों से लू के कारण मरने वालों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। और दूसरी तरफ जब देश की राजधानी दिल्ली में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है तो देश के जलाभाव वाले क्षेत्रों में क्या स्थिति होगी, उसकी कल्पना करना कठिन नहीं है। जो हो रहा है, वह अनायास या अचानक नहीं हो रहा है। दुनिया भर के पर्यावरणविद् और जलवेत्ता वर्षो से इस स्थिति की आशंका के प्रति चेतावनी जारी करते रहे हैं। भारत में भी बदलते तापमान और तद्जन्य समस्याओं को लेकर लगातार अपनी बातें सामने रखते रहे हैं। पानी के संकट को लेकर और देश भर में भूजल स्तर की डरावनी गिरावट को लेकर भी चेतावनियां जारी होती रही हैं। इसका कारण खोजने के लिए अतिरिक्त अन्वेषण की जरूरत नहीं है। असंतुलित विकास की भेंट चढ़े देश के वन जंगल, निर्ममता से नष्ट किए गए स्थानिक जल स्रेत और जल संसाधनों पर तीव्र गति से बढ़ती जनसंख्या के दबाव के कारण यह स्थिति पेश हुई है। देश भर में गांव-देहातों तक जिन छोटी-छोटी नदियों का जाल बिछा हुआ था और जो पोखर तालाब जल के संरक्षण के मुख्य वाहक होते थे, वे अब कहीं दिखाई नहीं देते। मनुष्य के अनियंत्रित लालच और हर स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार ने स्थितियों को कई गुना जटिल किया है तिस पर राजनीतिक दलों की बेहयाई समस्या की आग में घी डालती रहती है। सबसे ज्यादा मौजूदा उदाहरण इस समय दिल्ली का है। दिल्ली में दिल्लीवासियों की कथित सेवा को समर्पित आम आदमी पार्टी की सरकार है, और केंद्र में देश हित के लिए जीने-मरने का दावा करने वाली भाजपा सरकार है और तमाशा यह है कि दोनों ही पार्टियों के प्रतिनिधि दिल्ली के जल संकट के लिए एक दूसरे पर पूरी बेशर्मी से हल्ला बोल रहे हैं। जब दिल्ली के लोग पानी के लिए त्राहि त्राहि कर रहे हैं उस समय दो जिम्मेदार पार्टियों और उनकी सरकारों के इस रवैये को शर्मनाक ही कहा जा सकता है। कहने में कोई संकोच नहीं कि अगर वास्तविक समस्याओं के प्रति जिम्मेदारी राजनीतिक दलों को रुख इतना गैर-जिम्मेदार है, तो देश और इसकी राजधानी को आने वाले भयानक संकटों से कोई नहीं बचा पाएगा।

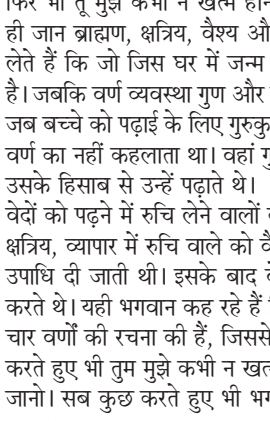

चिंतन-मनन

कर्म से बना है वर्ण

मेरे द्वारा चार वर्णों की रचना गुण और कर्मों के हिसाब से की जाती है, फिर भी तू मुझे कभी न खत्म होना वाला और कर्मों के बंधन से मुक्ति ही जान ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र ये चार वर्ण हैं, अब ऐसा मान लेते हैं कि जो जिस घर में जन्म लेता है, वह उसी वर्ण का कहलाता है। जबकि वर्ण व्यवस्था गुण और कर्म के आधार पर शुरू हुई थी। पहले जब बच्चे को पढ़ाई के लिए गुरुकुल भेजा जाता था, तब तक वह किसी वर्ण का नहीं कहलाता था। वहां गुरु अपने शिष्यों की रुचि को जानकर उसके हिसाब से उन्हें पढ़ाते थे।

वेदों को पढ़ने में रुचि लेने वालों को ब्राह्मण, युद्ध कला में महारथी को क्षत्रिय, व्यापार में रुचि वाले को वैश्य और सेवा भाव वाले को शूद्र की उपाधि दी जाती थी। इसके बाद वे समाज में उसी के हिसाब से काम करते थे। यही भगवान कह रहे हैं कि मैंने गुणों और कर्मों के आधार पर चार वर्णों की रचना की हैं, जिससे सभी मनुष्य कर्मों में लगे रहें। ये सब करते हुए भी तुम मुझे कभी न खत्म होने वाला और कुछ न करने वाला जानो। सब कुछ करते हुए भी भगवान कह रहे हैं कि मैं कुछ भी नहीं करता।

पुराने कानूनों पर पुनर्विचार करेगी नई संसद

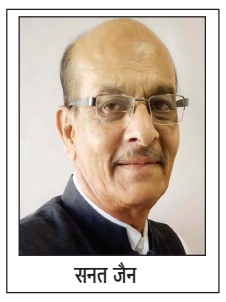

सनत जैन

सन् 2024 में नई संसद का गठन होने जा रहा है। इस बार संसद में भाजपा को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। सही मायनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जो तीसरी सरकार बनी है वही वास्तविक एनडीए की सरकार है। एनडीए की वर्तमान सरकार में पिछले 10 वर्षों में संसद द्वारा जो कानून पास किए गए हैं उन पर पुनर्विचार किए जाने की संभावनाएं बलवती हो गई हैं।

पिछले 10 सालों में संसद में विपक्ष बहुत कमजोर था। निश्चित संख्या में विपक्षी राजनीतिक पार्टी का बहुमत नहीं होने से विपक्षी दल के नेता का पद भी विपक्ष के पास नहीं था। बहुमत के आधार पर संसद में बिना चर्चा के बिल पास कराने के दर्जनों उदाहरण हैं। संसद में बिल पेस करने के पहले निर्धारित प्रक्रिया का पालन भी नहीं किया गया। आनन-फानन में बहुमत के आधार पर लोकसभा से बिल पारित कर दिए गए, जिसके कारण संविधान में प्रदत्त नागरिकों की समानता और स्वतंत्रता के मौलिक अधिकारों का ध्यान भी नहीं रखा गया। कानून बनाते समय सरकार के पास असीमित अधिकार हों इसको ध्यान में रखते हुए कानून बनाए गए। अब नई संसद गठित होने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में भारतीय जनता पार्टी के पास सदन में स्पष्ट बहुमत नहीं है। सहयोगी दलों के साथ मिलकर सरकार चलाना पड़ेगी। वहीं इस बार संसद में विपक्ष पहले की तुलना में बहुत मजबूत है और एकजुट है। ऐसी स्थिति में संभावना व्यक्त की जा रही है कि जो भी कानून पिछले 10 वर्षों में पारित किए गए हैं उन पर हर हालत में पुनर्विचार करना इस सरकार की मजबूरी होगी। सभी नागरिकों के लिए न्याय, समानता और स्वतंत्रता संविधान के मौलिक अधिकारों के तहत हो। इसके लिए नागरिकता संशोधन अधिनियम को लेकर भारी विवाद है।

भारतीय दंड संहिता (अपराधिक कानून विधेयक) के कई प्रावधान इस तरह से किए गए हैं जिसका देश में भारी विरोध हो रहा है। मैरिटल रेप राज ध्रुव के नए प्रावधान पुलिस को असीमित अधिकार न्यायपालिका के अधिकारों में कटौती, मोटर व्हीकल एक्ट इत्यादि के कई ऐसे प्रावधान हैं जिनके परिणाम पर चिंता किए बिना इसे लागू किया जाना है। भारतीय दंड संहिता के जो तीन नए कानून हैं यह 1 जुलाई 2024 से लागू होने हैं, जिसके कारण स्पष्ट है कि यह मामला संसद के पहले सत्र में ही पुनर्विचार की मांग को लेकर विपक्ष अपना दबाव बनाएगा। मुख्य चुनाव आयुक्त एवं अन्य चुनाव आयुक्त अधिनियम 2023 में हंगामे के बीच पारित किया गया। इसमें सुप्रीम कोर्ट ने जो दिशा निर्देश दिए थे, उनका पालन नहीं किया गया। जिसका असर 2024 के लोकसभा चुनाव में स्पष्ट रूप से देखने को मिला है। ऐसी स्थिति में इस कानून में भी संशोधन को लेकर विपक्ष दबाव बनाएगा। केंद्र सरकार और राज्यों के बीच खदान एवं खनिज अधिनियम को लेकर भी पिछले कई वर्षों से विवाद चल रहा है। इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में संवैधानिक पीठ कर रही है। इस नवीन कानून के द्वारा केंद्र ने अपनी शक्तियों को काफी बढ़ा लिया है और राज्यों की शक्तियों को कम कर दिया है। ऐसी स्थिति में इस पर भी भारी दबाव सरकार पर पड़ना तय माना जा रहा है। इसी तरह ट्रांसजेंडर व्यक्ति अधिनियम 2019 के प्रावधान भी भेदभाव पूर्ण होने के कारण इस पर भी विपक्ष द्वारा पुनर्विचार करने की और संशोधन करने की मांग इसी संसद सत्र में की जा सकती है। अपने तीसरे कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार को कई मामलों में अग्नि परीक्षा से गुजरना पड़ेगा वहीं पिछले 10 सालों में ईडी, सीबीआई और आयकर एवं अन्य जांच एजेंसी के माध्यम से विपक्ष को समाप्त करने की कोशिश की गई है, उसको लेकर भी विपक्ष एकजुट हुआ है। एकजुट विपक्ष से लड़ना सरकार के लिए आसान नहीं होगा। पिछले 10 सालों में सरकार ने विपक्ष के लिए जो गड्ढे खोदे थे विशेष रूप से भ्रष्टाचार के मामलों में विपक्ष को जेल के सीखचों तक पहुंचाया गया था। विपक्ष को चुनाव लड़ने से रोकने की कोशिश की गई थी। आर्थिक एवं आपराधिक मामलों में दोषी बनाकर विपक्ष को खत्म करने के लिए जो हथकंडे अपनाए गए थे, विपक्ष अब उन्हीं हथकंडों को सरकार के खिलाफ इस्तेमाल करने के लिए एकजुट हुआ है। निश्चित रूप से नई संसद में पुराने कानून पर विचार होगा। उसमें सरकार को संशोधन भी करने होंगे। कई याचिकाएं इन सारे मामलों की सुप्रीम कोर्ट में लगी हुई हैं। निश्चित रूप से जब संसद में दबाव बढ़ेगा तो सुप्रीम कोर्ट में लंबित याचिकाओं पर सुनवाई होगी और फैसला आएगा। इन सारी स्थितियों को देखते हुए नई संसद का पहला सत्र काफी महत्वपूर्ण होने जा रहा है।

इसमें सरकार को बजट भी पेश करना है। जुलाई के पहले बजट को पास कराना है। सरकार ने मनी बिल के रूप में बहुत सारे बिल पास कराकर सांसदों और संसद के अधिकार भी सरकार के नियंत्रण में आ जाने से सांसदों और संसद के अधिकार पहले की तुलना में बहुत कम हो गए हैं। अब विपक्ष के मजबूत हो जाने के कारण निश्चित रूप से आशा की जा सकती है कि बहुमत के आधार पर जो बिल और कानून पास कराए जा रहे थे उनके स्थान पर अब विवेक पूर्वक पक्ष और विपक्ष विभिन्न मसलों पर चर्चा करने के बाद ही आम सहमति से कानूनो के संशोधन पर पुनर्विचार करेगी। विपक्ष जिस तरह से एकजुट है, जिस आक्रामक ढंग से वह अपनी बात सदन के बाहर रख पा रहा है, उससे ज्यादा प्रभावी और आक्रामक ढंग से संसद के अंदर वह अपनी बात रखेगा। इस तरह की आशा की जा रही है।

ग्रीष्म लहरों से मौत को रोकने के लिये कार्ययोजना

भारत लगातार जारी ग्रीष्म लहरों के चपेट में है। मई- जून 2024 में उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में तापमान पिछले 124 वर्षों में सर्वाधिक उच्च स्तर लगभग 50 डिग्री सेल्सियस पर दर्ज किया गया। ग्रीष्म लहर भारत के लिये कोई नई परिघटना नहीं है, लेकिन इस वर्ष उल्लेखनीय यह है कि उसका समयपूर्व आगमन हुआ है और देश के उत्तर-पश्चिमी सेदक्षिण-पूर्वी हिस्सों तक उसका व्यापक स्थानिक प्रसार रहा है। यह उपयुक्त समय है कि देश को ग्रीष्म लहरों और संबद्ध चरम मौसमी घटनाओं से निपटने के लिये ठोस योजनाओं का निर्माण करना चाहिये। ग्रीष्म लहरों के जानलेवा प्रभावों को कम करने के लिये पूर्व-चेतावनी प्रणाली, हीट-प्रूफ शेल्टर और व्यापक रूप से वृक्षारोपण महत्त्वपूर्ण है। ग्रीष्म लहर असामान्य रूप से उच्च तापमान की अवधि है जो भारत के उत्तर-पश्चिमी और दक्षिण-मध्य भागों में ग्रीष्मकाल के दौरान उत्पन्न होती है। यह वायु के तापमान की वह स्थिति है जिसके संपर्क में आना मानव शरीर के लिये घातक हो जाता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग उस स्थिति को ग्रीष्म लहर के रूप में वगीर्कृत करता है जब मैदानी इलाकों में तापमान कम से कम 40.सी (और पहाड़ी क्षेत्रों में कम से कम 30.सी) तक पहुँच जाए और यह सामान्य तापमान से कम से कम 5-6.सी की वृद्धि को इंगित करता हो। भीषण गर्मी का आसन्न कारण वर्षा-युक्त पश्चिमी विक्षोभ या उष्णकटिबंधीय तूफान की अनुपस्थिति है जो उत्तर भारत में भूमध्यसागर से वर्षा लाते हैं।भारत में पहले से ही गर्म शहरों में ग्लोबल वार्मिंग और जनसंख्या वृद्धि का संयोजन बढ़ते हुए 'हीट एक्सपोजर' का प्राथमिक चालक है। 'अर्बन हीट आइलैंड' शहरों के भीतर भी तापमान की वृद्धि करता है,जिसकी त्वरा ग्रीष्म लहरों के दौरान और बढ़ जाती है। यह स्थिति तब बनती है जब जब शहर प्राकृतिक भूमि आवरण को फुटपाथ, इमारतों और अन्य ठोस सतहों के घने सांद्रता से प्रतिस्थापित कर देते हैं जो गर्मी को अवशोषित करते हैं और देर तक बनाए रखते हैं। मई-जून के माह में भारत में ग्रीष्म लहरों की उपस्थिति एक सामान्य घटना है, लेकिन देश के कई हिस्सों में धीरे-धीरे बढ़ते अधिकतम तापमान के कारण वर्ष 2024 में ग्रीष्म लहरों की समय-पूर्व उत्पत्ति की स्थिति बनी। भारत मौसम विज्ञान विभागके अनुसार भारत में ग्रीष्म लहर दिवसों की संख्या वर्ष 1981-1990 के 413 से बढ़कर वर्ष 2011-2020 में 600 हो गई है। ग्रीष्म लहर दिवसों की संख्या में यह तेज वृद्धि जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभाव के कारण घटित हुई है। ग्रीष्म लहरों के कारण जान गँवाने वाले लोगों की संख्या भी वर्ष 1981-1990 में 5,457 से बढ़कर वर्ष 2011-2020 में 11,555 हो गई है। वर्ष 1967 से अब तक पूरे भारत में ग्रीष्म लहरों के कारण 39,815 लोगों की मौत हो चुकी है। भू-जलवायु और सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों के कारण सबसे अधिक मौतें उत्तर प्रदेश (6,745) में हुई हैं; इसके बाद आंध्र प्रदेश (5,088), बिहार (3,364), महाराष्ट्र (2,974), पंजाब (2,720), मध्य प्रदेश (2,607), पश्चिम बंगाल (2,570), ओडिशा (2,406), गुजरात (2,049), राजस्थान (1,951), तमिलनाडु (1,443), हरियाणा (1,116), तेलंगाना (1,067), दिल्ली (996), झारखंड (855), कर्नाटक (560), असम (348) आदि राज्यों का स्थान है, जबकि शेष 12 राज्यों में 954 लोग मौत के शिकार हुए।महाराष्ट्र स्वास्थ्य विभाग के अनुसार इस साल भीषण गर्मी ने राज्य में 25 लोगों की जान ले ली है। ये ग्रीष्म लहरें बहुत अधिक हानिकारक हैं। इसके मुख्य प्रभाव निम्नलिखित हैं -1.मानव मृत्यु दरः बढ़ते तापमान, जन जागरूकता कार्यक्रमों की कमी और अपर्याप्त दीर्घकालिक शमन उपायों के कारण ग्रीष्म लहरों से मृत्यु की स्थिति बनती है।टाटा सेंटर फॉर डेवलपमेंट और शिकागो विश्वविद्यालय की वर्ष 2019 की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2100 तक जलवायु परिवर्तन से प्रेरित अत्यधिक ताप के कारण सालाना5 मिलियन से अधिक लोगों के मरने की संभावना होगी।बढ़ी हुई गर्मी से मधुमेह और परिसंचरण एवं श्वसन संबंधी रोगों के साथ ही मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं में वृद्धि होगी। 2.अर्थव्यवस्था पर प्रभावः ग्रीष्म लहरों की लगातार घटनाएँ अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। उदाहरण के लिये, कार्य दिवसों के नुकसान के कारण गरीब और सीमांत किसानों की आजीविका नकारात्मक रूप से प्रभावित होती है। ग्रीष्म लहरों का इन श्रमिकों की उत्पादकता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, जिससे अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है।वर्ष 2019 की ILO रिपोर्ट के अनुसार भारत ने वर्ष 1995 में 'हीट स्ट्रेस' के कारण लगभग3% कार्य घंटे गंवाए थे और वर्ष 2030 में इससे 5.8% कार्य घंटे गंवा देने की संभावना है।रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्ष 2030 में हीट स्ट्रेस के कारण कृषि और निर्माण क्षेत्र दोनों में से प्रत्येक में 4% कार्य घंटों का नुकसान हो सकता है। 3.फसल की क्षति और खाद्य असुरक्षाः अत्यधिक गर्मी और सूखे की घटनाओं से फसल उत्पादन का नुकसान हो रहा है और वृक्ष सूख रहे हैं।चरम गर्मी से प्रेरित श्रम उत्पादकता हानि से खाद्य उत्पादन को अचानक लगने वाले झटके से स्वास्थ्य एवं खाद्य उत्पादन के लिये जोखिम और अधिक गंभीर हो जाएँगे।ये परस्पर प्रभाव खाद्य कीमतों में वृद्धि करेंगे, घरेलू आय को कम कर देंगे और विशेष रूप से उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में कुपोषण और जलवायु संबंधी मौतों को बढ़ावा देंगे। 4.श्रमिकों पर प्रभावः वर्ष 2030 में कृषि और निर्माण जैसे क्षेत्रों से संलग्न श्रमिक गंभीर रूप से प्रभावित होंगे क्योंकि भारत की एक बड़ी आबादी अपनी आजीविका के लिये इन क्षेत्रों पर निर्भर है।भारत के लिये इस पर विचार करना भी उचित होगा कि अनिश्चित श्रम बाजार स्थिति वाले देशों और क्षेत्रों को इस तरह की चरम गर्मी के साथ उच्च उत्पादकता हानियों का सामना करना पड़ सकता है।समग्र रूप से भारत में हीट स्ट्रेस के कारण वर्ष 2030 में लगभग 34 मिलियन पूर्णकालिक नौकरियों का नुकसान हो सकता है। 5.कमजोर वर्गों पर विशेष प्रभावः जलवायु विज्ञान समुदाय ने वृहत साक्ष्यों के साथ दावा किया है कि ग्रीनहाउस गैसों और एरोसोल के उत्सर्जन में वैश्विक स्तर पर उल्लेखनीय कटौती नहीं की जाएगी तो ग्रीष्म लहर जैसी चरम घटनाओं के भविष्य में और अधिक तीव्र, आवर्ती और दीर्घावधिक होने की ही संभावना है।यह याद रखना महत्त्वपूर्ण है कि भारत में ग्रीष्म लहर की घटनाओं में हजारों कमजोर और गरीब लोगों को प्रभावित करने की क्षमता है, जबकि जलवायु संकट में उन्होंने सबसे कम योगदान किया है।ग्रीष्म लहर प्रभाव शमन रणनीति के मामले में भारत की स्थितिऐसी आपदाओं से निपटने के लिये वर्ष 2015 से पहले कोई राष्ट्रस्तरीय 'हीटवेव एक्शन प्लान" मौजूद नहीं था।क्षेत्रीय स्तर पर अहमदाबाद नगर निगम ने वर्ष 2010 में विनाशकारी ग्रीष्म लहरों से हुई मौतों के बाद वर्ष 2013 में पहला हीट एक्शन प्लान तैयार किया था।वर्ष 2016 में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने ग्रीष्म लहरों के प्रभाव को कम करने हेतु राष्ट्रीय स्तर की प्रमुख रणनीति तैयार करने के लिये व्यापक दिशानिर्देश जारी किये थे। हालाँकि चरम मौसम संबंधी आघातों के शमन और उनके प्रति अनुकूलन के लिये कुछ निवारक उपाय किये गए हैं, लेकिन इस तरह की पहलें ग्रीष्म लहरों से लोगों की मौतों को रोकने के लिये अपर्याप्त ही साबित हुई हैं क्योंकि निवारक उपायों, शमन और तैयारी कार्यों को लागू करना जटिल बना हुआ है।

- संजय गोस्वामी

पिछले एक साल में 154 फीसदी उछले एनएमडीसी के शेयर

मुंबई । राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) के शेयरों ने पिछले एक साल में 154 फीसदी छलांग लगाकर अपने निवेसकों को तगड़ा रिटर्न दिया है। एनएमडीसी का शेयर अपने 52 सप्ताह के उच्चतम स्तर के करीब है। शुक्रवार को एनएमडीसी के शेयर 275 रुपये के लेवल पर खुले, जबकि पिछले दिन यह 273.20 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुए थे। एनएमडीसी का लक्ष्य वित्त वर्ष 30 तक लौह अयस्क उत्पादन क्षमता को 100 मिलियन टन तक पहुंचाना है। ब्रोकरेज फर्म एनएमडीसी को रडार पर रख रही हैं। एक रिपोर्ट में ओडिशा माइनिंग कॉरपोरेशन द्वारा आयोजित नीलामी में लौह अयस्क चूर्ण के लिए बोलियों में कमी की रिपोर्ट की है। पिछले महीने की तुलना में बोली की कीमतों में 1000 रुपये प्रति टन की गिरावट आई है। इससे संकेत मिलता है कि एनएमडीसी को अगले दौर में कीमतों में कटौती करनी होगी। जुलाई माह की डिलीवरी के लिए नीलामी अगले सप्ताह होने की उम्मीद है। राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी), भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय के अंतर्गत एक नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है।

यूलिप को निवेश उत्पाद के रूप में प्रचारित करने पर रोक

नई दिल्ली । भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने एक मुख्य परिपत्र जारी कर यूनिट लिंक्ड बीमा योजनाओं (यूलिप) को निवेश उत्पाद के रूप में प्रचारित करने पर रोक लगा दी है। इरडा के हाल ही में जारी किए गए परिपत्र में कहा गया कि यूनिट-लिंक्ड या इंडेक्स-लिंक्ड बीमा उत्पादों को निवेश उत्पाद के रूप में विज्ञापित नहीं किया जाएगा। बीमा कंपनियों को स्पष्ट रूप से यह बताना होगा कि बाजार से जुड़ी बीमा योजनाएं पारंपरिक बंदोबस्ती पॉलिसियों से भिन्न हैं और उनमें जोखिम भी होता है। इसी तरह भाग लेने वाली बंदोबस्ती पॉलिसियों को पहले ही यह बताना होगा कि मुनाफे में अनुमानित बोनस की गारंटी नहीं है। इरडा ने कहा कि परिवर्तनीय वार्षिकी भुगतान विकल्प के साथ लिंक्ड बीमा उत्पादों और वार्षिकी उत्पादों के सभी विज्ञापनों में जोखिम कारकों का खुलासा किया जाएगा।

पीएनबी के कई अकाउंट 30 जून के बाद बंद हो जाएंगे!

Punjab National Bank

नई दिल्ली । पंजाब नेशनल बैंक के कई बैंक अकाउंट 1 जुलाई से बंद हो जाएंगे। इसके लिए बैंक अपने ग्राहकों को अलर्ट भेज रहा है। पिछले 3 सालों से जो सेविंग अकाउंट एक्टिव नहीं है वह सभी अकाउंट 1 जुलाई से बंद हो जाएंगे। दरअसल, बैंक उन ग्राहकों का अकाउंट बंद करने वाला है जिनके अकाउंट में पिछले कुछ सालों में कोई ट्रांजेक्शन नहीं हुआ है या फिर उसनें जीरो बैलेंस है। पीएनबी ने अपने ग्राहकों को कहा है कि वह एक बार अपने सेविंग अकाउंट का स्टेटस जरूर चेक करें। बैंक ने उन ग्राहकों को नोटिस भेजा है जिनके अकाउंट में पिछले तीन साल से कोई ट्रांजेक्शन नहीं हुआ है। बैंक ने कहा कि ग्राहक को अपने अकाउंट को एक्टिव रखने के लिए बैंक ब्रांच में जाकर केवाईसी करवाना होगा। केवाईसी के साथ ग्राहक को उससे संबंधित डॉक्यूमेंट्स को अटैच करना होगा। पीएनबी ने बताया कि कई स्कैमर्स इस तरह के अकाउंट का गलत इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में फ्रॉड के मामले को रोकने के लिए बैंक द्वारा यह फैसला लिया गया है। बैंक ने बताया कि वह डीमैट अकाउंट को बंद नहीं करेंगे। इसके अलावा सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना जैसी सरकारी स्कीम के लिए जो अकाउंट ओपन हुए हैं वह भी बंद नहीं होंगे। इसी तरह माइनर सेविंग अकाउंट पर भी ये नियम लागू नहीं होता है।

चीन में चल रहा है चालक रहित कारों का प्रयोग

-16 या उससे ज़्यादा शहरों ने कंपनियों को दी है परीक्षण की अनुमति

नई दिल्ली ।

पूरे चीन में 16 या उससे ज़्यादा शहरों ने कंपनियों को सार्वजनिक सड़कों पर चालक रहित वाहनों का परीक्षण करने की अनुमति दी है और कम से कम 19 चीनी वाहन निर्माता और उनके आपूर्तिकर्ता इस क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व स्थापित करने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। कोई भी दूसरा देश इतनी आक्रामकता से आगे नहीं बढ़ रहा है।

चीन के मध्य भाग में वुहान शहर की व्यस्त सड़कों पर चालक रहित कारों का दुनिया का सबसे बड़ा प्रयोग चल रहा है। वुहान में 11 मिलियन लोग रहते हैं, 4.5 मिलियन कारें हैं, आठ लेन एक्सप्रेसवे हैं और यांग्त्ज़ी नदी के कीचड़ भरे पानी पर ऊंचे पुल हैं। 500 टैक्सियों का बेड़ा कंप्यूटर द्वारा संचालित है, जिनमें अक्सर बैकअप के लिए कोई सुरक्षा चालक नहीं होता। इन्हें चलाने वाली कंपनी टेक दिग्गज बायडू ने पिछले महीने कहा था कि वह वुहान में 1,000 और तथाकथित रोबोट टैक्सियाँ जोड़ेगी।

जानकारी के अनुसार, सरकार कंपनियों को महत्वपूर्ण मदद प्रदान कर रही है। रोबोट टैक्सियों के लिए ऑन-रोड परीक्षण क्षेत्रों को नामित करने वाले शहरों के अलावा सेंसर इस नई तकनीक के बारे में लोगों के डर को कम करने के लिए सुरक्षा घटनाओं और दुर्घटनाओं की ऑनलाइन चर्चा को सीमित कर रहे हैं। ऑटोमोटिव कंसल्टिंग फर्म जेडी पावर द्वारा किए गए सर्वेक्षणों में पाया गया कि चीनी ड्राइवर अमेरिकियों की तुलना में अपनी कारों को चलाने के लिए कंप्यूटर पर भरोसा करने के लिए अधिक इच्छुक हैं।

वुहान किंगचुआन पैवेलियन के पास एक छोटी सी किराने की दुकान के मालिक झांग मिंग ने कहा, मुझे लगता है कि सुरक्षा के बारे में बहुत अधिक चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, इसे सुरक्षा अनुमोदन से गुजरना होगा।

वुहान किंगचुआन पैवेलियन के पास एक छोटी सी किराने की दुकान है, जहाँ कई बैदू रोबोट टैक्सियाँ रुकती हैं। चालक रहित कारों के विकास में चीन के अग्रणी होने का एक और कारण डेटा पर उसका सख्त और लगातार कड़ा होता नियंत्रण है।

रुपया तीन पैसे बढ़कर 83.58 डॉलर पर

मुंबई । विदेशी पूंजी के सतत प्रवाह और मजबूत घरेलू शेयर बाजार से बनी धारणा की वजह से शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले तीन पैसे बढ़कर 83.58 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। रुपया गुरुवार को 17 पैसे की भारी गिरावट के साथ दो माह के निचले स्तर 83.61 प्रति डॉलर पर पहुंच गया था। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि रुपया को अमेरिकी मुद्रा में गिरावट और विदेशों में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में स्थानीय रुपया 83.60 पर खुला और डॉलर के मुकाबले दो पैसा मजबूत होकर 83.58 पहुंच गया, जो पिछले सत्र से तीन पैसे ज्यादा है। इस बीच छह मुद्राओं की एक तुलना में अमेरिकी मुद्रा का आकलन करने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 प्रतिशत की गिरावट के साथ 105.21 पर कारोबार कर रहा था।

पिछले 6 साल में रियल एस्टेट में 9.63 लाख करोड़ के कर्ज स्वीकृत हुए- रिपोर्ट

नई दिल्ली । पिछले 6 साल के दौरान रियल एस्टेट क्षेत्र में 9.63 लाख करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत हुए थे और अगले तीन वर्षों में 14 लाख करोड़ रुपये के ऋण वित्तपोषण की संभावना है। एक रिपोर्ट में यह उम्मीद जताई गई है। एक रियल एस्टेट परामर्शदाता और रियल एस्टेट डेटा विश्लेषक की एक संयुक्त रिपोर्ट के मुताबिक भारत में रियल एस्टेट क्षेत्र में पिछले छह वर्षों में 9,63,441 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत हुए हैं। इस तरह औसतन 1,61,000 करोड़ रुपये के ऋण हर साल स्वीकृत हुए। सलाहकार फर्म ने कहा कि कुल ऋण बाजार में 2024-2026 के बीच भारतीय रियल एस्टेट में 14,00,000 करोड़ रुपये के वित्तपोषण के अवसर की संभावना है। देश के शीर्ष सात शहरों में स्वीकृत कर्जों के विश्लेषण के आधार पर पता चलता है कि मुंबई, दिल्ली-एनसीआर और बेंगलुरु की पिछले छह वर्षों में स्वीकृत कुल कर्जों में 80 प्रतिशत हिस्सेदारी रही। रिपोर्ट के मुताबिक, इस दौरान 2018 में आईएलएंडएफएस की वजह से पैदा हुए एनबीएफसी संकट और 2020 में कोविड महामारी के दुष्प्रभाव जैसी चुनौतियों ने ऋण बाजार में मंदी पैदा की थी। लेकिन 2021 के बाद से रियल एस्टेट बाजारों के पुनरुद्धार ने कर्जदाताओं और कर्जदारों दोनों के लिए नए अवसर पैदा किए हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

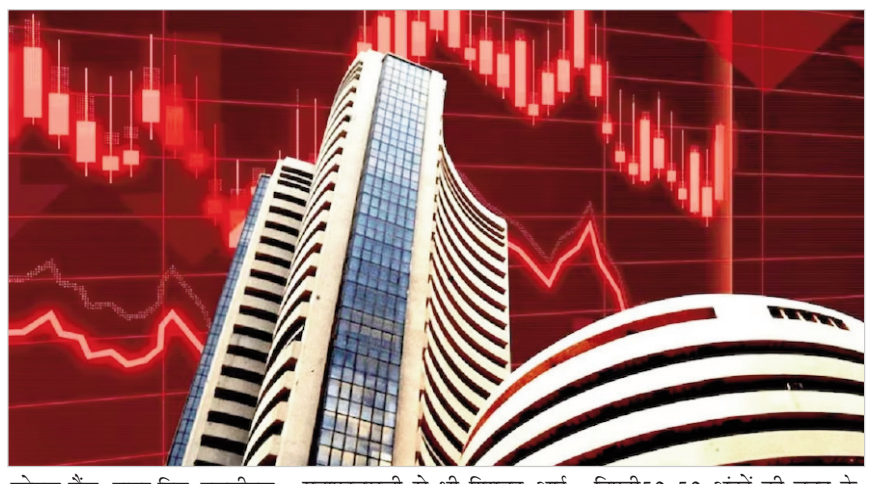

मुम्बई।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी होने से बाजार नीचे आया हे। विदेशी निवेशकों की बेरुखी से भी बाजार पर बल पड़ा। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 269.03 अंक करीब 0.35 फीसदी नीचे आकर 77,209.90 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 65.90 अंक तकरीबन 0.28 फीसदी नीचे आकर अंत में 23,501.10 अंक पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 9 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। एयरटेस, इंफोसिस, टीसीएस, जेएसडब्ल्यू स्टील और एनटीपसी सेंसेक्स के शेयर लाभ में रहे। वहीं कोटक बैंक, पावर ग्रिड, एचसीएल टेक, व्रिपो और मारुति के शेयर ऊपर आये हैं। दूसरी ओर सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 21 शेयर गिरावट के साथ ही नीचे आये हैं। अल्ट्राटेक सीमेंट, एलएंडटी, टाटा मोटर्स, नेस्ले इंडिया और एचयूएल सेंसेक्स के सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गयी। बाजार जानकारों के अनुसार घरेलू बाजार में हल्की मुनाफावसूली से भी गिरावट आई है। वहीं गत दिवस बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी50 ने हरे निशान में कारोबार की शुरुआत की। बीएसई का 30 शेयर वाला सेंसेक्स 122 अंकों की बढ़त के साथ 77,611 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि 50-शेयर वाला निफ्टी50 50 अंकों की बढ़त के साथ 23,620 के स्तर पर पहुंच गया। बाद में निफ्टी50 ने 23,667 का नया रिकॉर्ड उच्चतम स्तर छुआ, जो पिछले उच्चतम स्तर 23,664 को पार कर गया। व्यापक बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों ने भी अग्रणी सूचकांकों के साथ मिलकर 0.4 से 0.49 फीसदी की रेंज में बढ़त हासिल की।

मुनाफा के मामले में हुंडई ने मारुति सुजुकी को पीछे छोडा

-दो कंपनियों से कहीं अधिक कमाई कर रही हुंडई

नई दिल्ली ।

हुंडई मोटर्स कंपनी ने मुनाफा कमाने के मामले में मारुति सुजुकी को पीछे छोड़ दिया है। मारुति सुजुकी और टाटा मोटर्स की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्वी कार निर्माता एक कार के बिकने पर इन दोनों कंपनियों से कहीं अधिक कमाई कर रही है। वित्त वर्ष 2024 के पहले नौ महीनों में हुंडई ने एक कार के बिकने पर 75,000 रुपये का कुल लाभ कमाया, जो कि मारुति सुजुकी से 25 प्रतिशत अधिक था। इसी दौरान मारुति सुजुकी ने एक कार की बिक्री पर 60,150 रुपये का कुल लाभ कमाया। देश की तीसरी बड़ी कार निर्माता टाटा मोटर्स ने अपने पैसेंजर व्हीकल डिवीज़न के कुल लाभ के बारे में जानकारी नहीं दी, लेकिन कंपनी ने बताया कि टैक्स के पहले उसका प्रति कार पर लाभ 21,300 रुपये था। भारत में कभी हैचबैक कारों की सबसे बड़ी निर्माता रही हुंडई मोटर अब प्रमुखता से स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहनों को बना रही है। अब कंपनी की सबसे अधिक बिकने वाली कार कोई हैचबैक नहीं बल्कि एक एसयूवी है। भारतीय बाजार में कंपनी की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार क्रेटा मिड-साइज एसयूवी है। कंपनी के पोर्टफोलियो में एसयूवी मॉडल की संख्या बढ़ी है, तो वहीं अब कंपनी केवल दो हैचबैक मॉडल - ग्रैंडआई10 निओस और आई20 की बिक्री कर रही है। हुंडई द्वारा बेची जा रही कारों की औसत कीमत 8.92 लाख रुपये है, जबकि मारुति की 6.33 लाख रुपये और टाटा की 9.07 लाख रुपये है। हुंडई मोटर की भारतीय इकाई हुंडई मोटर इंडिया भारतीय शेयर बाजार में अपना आईपीओ लाने की तैयारी कर रही है। हुंडई भारतीय बाजार में 14.2 करोड़ इक्विटी शेयर जारी कर सकती है जिसके जरिये कंपनी 2.5-3 बिलियन डॉलर की रकम जुटाएगी। यह भारतीय बजार में मारुति सुजुकी के बाद किसी ऑटोमोबाइल कंपनी का सबसे बड़ा आईपीओ होगा। मार्केट रेगुलेटर को सौंपी गई जानकारी में कार निर्माता ने बताया कि वह भारतीय बाजार में 4 इलेक्ट्रिक वाहनों को लॉन्च करेगी। इसमें क्रेटा ईवी भी शामिल होगी जिसे इस वित्त वर्ष के अंतिम तिमाही में लॉन्च किया जाएगा। मौजूदा समय में हुंडई भारतीय बाजार में दो इलेक्ट्रिक कारें आयोनिक 5 और कोना इलेक्ट्रिक की बिक्री कर रही है जिनकी कीमत क्रमशः 45 लाख रुपये और 24 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। कंपनी का कहना है कि वह शुरूआत में प्रीमियम इलेक्ट्रिक कारें लॉन्च करेगी, लेकिन बाद में आम ग्राहकों के लिए भी इलेक्ट्रिक कारें लाई जाएंगी।

सनफार्मा ने भारत में एक दवा पेश करने टकेडा से किया समझौता

नई दिल्ली ।

फार्मास्युटिकल कंपनी सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज ने भारत में एक गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल दवा के व्यावसायीकरण के लिए टकेडा फार्मास्युटिकल कंपनी के साथ लाइसेंसिंग समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस दवा का उपयोग पाचन संबंधी विकारों के उपचार में किया जाता है। मुंबई की कंपनी ने शुक्रवार को बयान में कहा कि उसने भारत में 10 और 20 मिलीग्राम की मात्रा में वोनोप्राज़न टैबलेट के व्यावसायीकरण के लिए टेकेडा के साथ एक गैर-अनन्य पेटेंट लाइसेंसिंग समझौता किया है। वोनोप्राजन एक नया, सक्रिय पोटेशियम प्रतिस्पर्धी एसिड अवरोधक (पीसीएबी) है, जिसका उपयोग रिफ्लक्स एसोफैगिटिस और अन्य अम्ल पाचन संबंधी विकारों के इलाज के लिए किया जाता है। सनफार्मा के भारतीय कारोबार के एक वेरिष्ठ अेधिकारी ने कहा कि सन फार्मा गैस्ट्रोएंटरोलॉजी में अग्रणी है और हम टकेडा से गैर-अनन्य पेटेंट लाइसेंस के तहत भारत में वोनोप्राजन को पेश करने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल स्वास्थ्य के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसके तहत यह रोगियों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को रिफ्लक्स एसोफैगिटिस और अन्य पाचन संबंधी विकारों के लिए एक नया उपचार विकल्प देती है। गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स रोग (जीईआरडी) भारत में आम है।

मुकेश अंबानी के डीपफेक वीडियो से डॉक्टर को लगा 7 लाख का चूना

- मुंबई की एक आयुर्वेदिक डॉक्टर शेयर ट्रेडिंग के नाम पर हुई ठगी का शिकार

मुंबई ।

मुंबई की एक 54 साल की आयुर्वेदिक डॉक्टर शेयर ट्रेडिंग के नाम पर ठगी का शिकार हो गई। अंधेरी में रहने वाली इस डॉक्टर को इंस्टाग्राम पर एक रील दिखाई गई थी।` जिसमें मुकेश अंबानी एक कंपनी का प्रचार कर रहे थे। यह रील नकली थी और डॉक्टर को 7 लाख रुपये से ज़्यादा का चूना लगा दिया गया। डॉक्टर केकेएच पाटिल ने बताया कि उन्हें इंस्टाग्राम पर एक वीडियो दिखा गया, जिसमें मुकेश अंबानी राजीव शर्मा ट्रेड ग्रुप नाम की कंपनी और उसके बीसीएफ इन्वेस्टमेंट एकेडमी का प्रचार कर रहे थे। वीडियो में अंबानी लोगों को इसमें निवेश करने के लिए कह रहे थे, जिससे उन्हें अच्छा मुनाफा मिलेगा। डॉक्टर पाटिल को यकीन हो गया कि यह वीडियो असली है और उन्होंने 28 मई से 10 जून के बीच 16 अलग-अलग बैंक खातों में कुल 7.1 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। डॉक्टर पाटिल ने बताया कि उन्होंने ऑनलाइन रिसर्च भी की थी, जिसमें कंपनी के बीकेसी और लंदन में ऑफिस होने की जानकारी मिली थी। उन्हें लगा कि यह एक विश्वसनीय कंपनी है। लेकिन जब उन्होंने ट्रेडिंग वेबसाइट पर दिखाए गए 30 लाख रुपये के मुनाफे को निकालने की कोशिश की, तो उन्हें एहसास हुआ कि उनके साथ धोखा हुआ है। पुलिस ने बताया कि स्कैमर्स ने वीडियो बनाने के लिए डीपफेक तकनीक का इस्तेमाल किया था। इस तकनीक से किसी भी व्यक्ति का नकली वीडियो बनाया जा सकता है। पुलिस ने इस मामले में आईपीसी की धाराओं के तहत पहचान छिपाने और धोखाधड़ी करने और आईटी अधिनियम की धारा के तहत पहचान की चोरी करने के आरोप में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस बैंकों के नोडल अधिकारियों के संपर्क में है ताकि डॉक्टर पाटिल द्वारा ट्रांसफर किए गए पैसे को ब्लॉक किया जा सके।

एफएमसीजी की बिक्री के लिए ग्रामीण भारत बना चमकता सितारा: रिपोर्ट

नई दिल्ली ।

रोज उपयोग होने वाली घरेलू वस्तुओं (एफएमसीजी) की बिक्री की बढ़ोतरी के लिए ग्रामीण भारत एक चमकता सितारा बना हुआ है। शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 2024 की दूसरी तिमाही में शहरी क्षेत्रों की तुलना में इस क्षेत्र में विस्तार की बेहतर गति बनाए रखने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट के अनुसार ग्रामीण भारत 2024 की दूसरी तिमाही अप्रैल-जून में एफएमसीजी कंपनियों के लिए शहरी बाजारों की तुलना में बेहतर वृद्धि स्तर बनाए रखेगा। रिपोर्ट में ग्रामीण बाजार को चमकता सितारा बताते हुए कहा गया है कि 2024 में इसमें पुनरुत्थान होने की संभावना है। जहां शहरी क्षेत्र के तनाव में रहने की संभावना है, वहीं ग्रामीण क्षेत्र साल की दूसरी तिमाही में अपनी स्थिति मजबूत कर सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में इस वृद्धि को इसी साल फरवरी में पेश अंतरिम बजट में सरकार द्वारा क्षेत्र-केंद्रित उपायों से मदद मिली है और इससे स्थिरता आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके अलावा इस साल जिन राज्यों में चुनाव होने वाले हैं, वहां लोकलुभावन उपायों की उम्मीद की जा रही है। हमें यह भी ध्यान में रखना चाहिए कि आने वाले महीनों में कई राज्यों में चुनाव होने वाले हैं और दूसरी छमाही में ग्रामीण बाजार के लिए लोकलुभावन उपायों में वृद्धि ही देखने को मिलेगी।

एफएसएसएआई ने ताजसैट्स को सुधार नोटिस जारी किया

- एयर इंडिया की एक उड़ान में खाने के सामान में ब्लेड पाये जाने का मामला

fssai

नई दिल्ली ।

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने एयर इंडिया की एक उड़ान के दौरान खाने में ब्लेड जैसी वस्तु पाये जाने के मामले में ताजसैट्स को सुधार नोटिस जारी किया। एयरलाइन के खाने के सामान की आपूर्ति ताजसैट्स करती है। यह घटना नौ जून की है। एफएसएसएआई ने ताजसैट्स बेंगलुरु में एक निरीक्षण किया। एयरलाइन को वहीं से खाने के सामान की आपूर्ति की गई थी। एफएसएसएआई के एक वेरिष्ठ अेधिकारी ने कहा` कि हमने ताजसैट्स बेंगलुरु में विस्तृत निरीक्षण के बाद उसे एक सुधार नोटिस जारी किया है। खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 के तहत यदि खाद्य कारोबार से जुड़ा परिचालक किसी भी नियम का पालन करने में विफल रहा है और उसे उचित अवधि के भीतर जरूरी कदम उठाने आवश्यकता है, उसे सुधार नोटिस जारी किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कंपनी को 15 दिन के भीतर नोटिस का अनुपालन करने के लिए कहा गया है। एयर इंडिया और उसके खान-पान की आपूर्ति से जुड़े भागीदार ताजसैट्स का स्वामित्व टाटा समूह के पास है। एयरलाइन ने इस घटना के लिए माफी मांगी। उसने कहा कि यह घटना उसके कैटरिंग भागीदार ताजसैट्स में उपयोग की जाने वाली सब्जी प्रसंस्करण मशीन से हुई।

खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण ने पाया कि ब्लेड एक स्वचालित सब्जी 'कटर' का था जो अलग होकर सब्जी के टुकड़े के अंदर फंस गया था। राव ने कहा कि इसी तरह की घटनाओं को रोकने के लिए ताजसैट्स को निरीक्षण और रखरखाव प्रक्रियाओं को मजबूत करने के साथ-साथ एक्स-रे मशीन लगाने तथा हाथ से सब्जी काटने सहित अन्य सुधार करने का निर्देश दिया गया है।

सोने की कीमतों में तेजी,चांदी हुई सस्ती

नई दिल्ली ।

सोने के वायदा कारोबार में शुक्रवार को तेजी देखने को मिल रही है, जबकि चांदी के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। इस समय सोने के वायदा भाव 72,650 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 91,250 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने के वायदा भाव तेजी और चांदी के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 91 रुपये की तेजी के साथ 72,677 रुपये के भाव पर खुला। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 413 रुपये की गिरावट के साथ 91,252 रुपये पर खुला। इस समय यह कॉन्ट्रेक्ट 239 रुपये की गिरावट के साथ 91,436 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। जबकि सोने के वायदा भाव तेजी के साथ खुले।

कॉमेक्स पर सोना 2,373.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,369 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 4.10 डॉलर की तेजी के साथ 2,373.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 30.81 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 30.82 डॉलर था। इस समय यह 0.26 डॉलर की गिरावट के साथ 30.55 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मोटे अनाजों में प्रमुख

बाजरा

भूमि का चुनाव

बाजरे की असिंचित फसल उन मिट्टियों में अच्छी उपज देती है, जिनकी जलधारण क्षमता अपेक्षाकृत अधिक होती है। रेतीली मटियार दोमट और मटियार दोमट भूमि में बाजरा की भरपूर पैदावार होती है।

भूमि की तैयारी

बाजरा वर्षा आधारित फसल है। ऐसी फसल के लिए गर्मियों की जुताई अच्छी पाई गई है। इससे खरपतवारों पर नियंत्रण करने में मदद मिलती है। वर्षा के शुरू होने पर हल या बखर चलाकर खेत को भुरभुरा बनायें तथा खरपतवार रहित करें।

उन्नत किस्में

अ. संकर किस्में - आईसीएमएच-356, जवाहर बाजरा हायब्रिड-1, जवाहर बाजरा हायब्रिड-2, हरित बटल रोग निरोधक

ब. परागित किस्में - जवाहर बाजरा किस्म-2, जवाहर बाजरा किस्म-3, जवाहर बाजरा किस्म-4, राज-171

बुआई

बाजरा की बुआई के लिए जुलाई का पहला पखवाड़ा ही उत्तम है। इस समय पर लगाए गए बाजरा पर रोगों का प्रकोप कम होता है तथा फूल आते समय सामान्य वर्षा होने पर प्रायः भूमि में नमी का अभाव नहीं होता है।

बीज की मात्रा और पौधों का घनत्व

बाजरा की संकर किस्मों की कतारों के बीच 45 सेमी की दूरी रखना जरूरी है, जिसमें पौधों से पौधों के बीच की दूरी 10 से 15 सेमी होना चाहिए। बीज 1 से 2.5 सेमी की गहराई पर बोना चाहिए। इस प्रकार प्रति हेक्टेयर 1.8 लाख से 2 लाख तक उचित पौध संख्या के लिए 5 से 6 किलोग्राम बीज की मात्रा पर्याप्त रहती है। बुआई के पूर्व बीजोपचार जरुरी है बीज का उपचार एप्रान-35 एसडी की 6 ग्राम मात्रा को प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें, जिससे डाउनी मिल्डयू रोग के प्रारंभिक प्रकोप से बचा जा सके।

उर्वरक की मात्रा एवं देने का तरीका

बुआई के पूर्व 87 किलोग्राम यूरिया, 300 किलोग्राम और 33 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर देना चाहिए।

पौधों की छटाई

बाजरा के पौधें के पूर्ण विकास के लिए उपयुक्त स्थान मिलना आवश्यक है। अतः घने पौधों की छंटाई करके पौधों की आपसी दूरी उपयुक्त कर देनी चाहिए।

जल प्रबंध

बाजरा का केवल 3.3 प्रतिशत क्षेत्र सिंचित है। अतः जल का समुचित प्रबंध करना सफल खेती और उत्पादन स्थिरता की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है। वर्षा का केवल 5-15 प्रतिशत जल पौधों की बढ़वार के लिए उपलब्ध हो पाता है। इस प्रकार बाजरा उगाने वाले क्षेत्रों में जल का वैज्ञानिक प्रबंधन ही उनकी सफल खेती में सहायक हो सकता है। भूमि तल को समतल बना देने पर भूमि पर गिरने वाली वर्षा का समान वितरण होता है। तथा पानी भूमि में लम्बे समय तक भरे रहने के कारण इसका उत्तम संरक्षण करना संभव होता है। मेड़ बांधने की क्रिया जल संरक्षण में काफी सहायक पायी गयी है। वर्षा जल खेत में लम्बे समय तक खड़े रहने के कारण बहाव के माध्यम से बह जाने वाले जल की अधिक से अधिक मात्रा भूमि द्वारा ग्रहण कर ली जाती है तथा यह मात्रा भूगत होने के कारण सुरक्षित रहती है। यह विश्वास किया जाता है कि भूमि की ऊपरी सतह को संहत करने पर बाजरा के पौधे की जड़े अधिक गहराई तक जाती है जिसके कारण उपलब्ध भूमि जल का अच्छा उपयोग होता है तथा जड़ों का जल ग्रहण क्षेत्र भी बढ़ जाता है। इस क्रिया को शायद इसी कारण से मूल प्रशिक्षण (रुट ट्रेनिंग) भी कहा जाता है। क्योंकि जड़ों के नीचे की और बढ़ने का प्रशिक्षण दिया जाता है, यानि कि ऐसी स्थिति बनायी जाती है कि इसकी बढ़वार नीचे की ओर अधिक हो।

जल निकास

बाजरे की फसल यदि काफी देर तक पानी खड़ा रहे, तो इससे फसल को काफी नुकसान पहुंचता है। इसलिए बुवाई से पूर्व खेत को समतल कर लेना चाहिए

अमरबेल का नियंत्रण

प्रसारण

- परजीवी के बीज एवं तने के भाग सिंचाई करने से जल द्वारा एक खेत से दूसरे खेत में चले जाते हैं।
- खाद द्वारा भी बीज खेत में आ जाते हैं।
- तने के टुकड़ों का स्थानांतरण मनुष्यों एवं जंतुओं द्वारा एक स्थान से दूसरे स्थान पर कर दिया जाता है।
- इसके बीज बरसीम, रिजका के बीजों के साथ जुड़े रह सकते हैं।

हानि

अमरबेल के संक्रमण से मात्रात्मक व गुणात्मक दोनों प्रकार से हानि होती है-

- नींबू में 30-35 प्रतिशत
- मूंग में 70-90 प्रतिशत
- उड़द में 30-40 प्रतिशत
- रिजका, बरसीम में 60-70 प्रतिशत तक उपज में हानि होती है।

नियंत्रण

इस परजीवी पादप के नियंत्रण हेतु समन्वित प्रबंध करना अति आवश्यक है-

नियंत्रण के उपाय

- नमक के 10 प्रतिशत (1 लीटर पानी में 100 ग्राम) घोल में बीजोपचार करके फसल के बीजों की बुवाई करें।
- अमरबेल के बीज रहित फसल के बीज ही बुवाई के काम लें।
- कृषि यंत्रों व पशुओं को अमरबेल से संक्रमित खेतों से स्वच्छ खेतों में न आने दें।
- अमरबेल से ग्रसित फार्म से कम्पोस्ट खाद तैयार न करें।

शस्य नियंत्रण

संक्रमित पौधों को परजीवी में बीज बनने से पहले उखाड़ कर जला दें।

- कम से कम पांच वर्ष का फसल चक्र अपनाना चाहिए।
- पाश फसलें जैसे ग्वार आदि उगाना चाहिए इसकी बढ़वार कम होगी।
- फसलों की सहनशील किस्में जैसे रिजके की एलएलसी 6 व एलएलसी 7, मूंग की एम-4 व उदड़ की टी-9 किस्में बोनी चाहिए।

जैविक नियंत्रण

मैलेनाग्रोमाइजा करुक्यूटा व कालेटोट्राइकम ग्लोइयोस्पोरीयोडीस के द्वारा भी इसका नियंत्रण कर सकते हैं।

- ल्यूबाओ-2 जो कि कोलेटोट्राइकम ग्लोइयोस्पोरीयोडिस करुक्यूटी रोगजनक का उत्पाद है, से भी जैविक नियंत्रण कर सकते हैं।

रासायनिक नियंत्रण

- क्लोरोफॉम 6-7 किग्रा (सक्रिय तत्व) या डाइक्लोनेनील 2 किग्रा (सक्रिय तत्व) प्रति हेक्टेयर मिट्टी में प्रयुक्त करें।
- खड़ी फसल (रिजका व बरसीम) में कटाई के 5-10 दिन बाद डाइकव्ट 6-10 किग्रा प्रति हेक्टेयर आवश्यकतानुसार पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
- पेड़ों तथा बहुवर्षीय बेलों पर पेराक्वाट के 0.1 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें। तथा उपचारित परपोषी पौधों की जल्दी सिंचाई करें।
- यदि अमरबेल पर छिड़काव के बाद कोई अवशेष बच जाये तो पुनः बताये शाकनाशियों का छिड़काव करें।

इकाई क्षेत्र में कम से कम लागत में अधिक से अधिक उत्पादन हेतु वर्ष 1983 में फादर हेनरी द्वारा सिस्टम ऑफ राइस इंटेसीफिकेंशन का उद्भव मेडागास्कर में किया गया। इस पद्धति से 7-15 टन धान प्रति हेक्टेयर उत्पादन किया जा सकता है।

धान की मेडागास्कर खेती

भारत में हरित क्रांति आने के बाद से लेकर अब तक विभिन्न आदानों की इकाई लागत में काफी वृद्धि हुई है इस वृद्धि के फलस्वरुप शुद्ध लाभ भी कम प्राप्त हो रहा है, इस हेतु यह आवश्यक हो गया है कि इकाई क्षेत्र में कम से कम लागत में अधिक से अधिक उत्पादन प्राप्त किया जाये। इकाई क्षेत्र में कम से कम लागत में अधिक से अधिक उत्पादन हेतु वर्ष 1983 में फादर हेनरी द्वारा सिस्टम ऑफ राइस इंटेसीफिकेंशन का उद्भव मेडागास्कर में किया गया इस पद्धति से 7-15 टन धान प्रति हेक्टेयर उत्पादन किया जा सकता है।

मेडागास्कर विधि की कृषि कार्यमाला

खेत का चुनाव-मेडागास्कर विधि से धान की खेती करने हेतु उचित जल निकास वाली भूमि का चुनाव करना चाहिए तथा सिंचाई की भी व्यवस्था खेत पर होना चाहिए। बीज की मात्रा-इस विधि से धान की रोपाई करने के लिए 10-12 किलोग्राम बीज की आवश्यकता प्रति हेक्टेयर पड़ती है।

धान की उन्नत किस्में

कम अवधि में पकने वाली किस्में-तृप्ति, पूर्वा, जेआर 75

मध्यम समय में पकने वाली किस्में-जेआर 201,दीप्ति, जेआर 353

सामान्य अवधि में पकने वाली किस्में-आई.आर. 36, आई.आर. 64, माधुरी,पूसा सुगंधा

देर से पकने वाली किस्में :-स्वर्णा, श्यामला, महासुरी

संकर किस्में-एपीएचआर-1, एपीएचआर-2, एमजीआर-1, सीएनआर एच-1, पंत संकर धान

नर्सरी हेतु खेत की तैयारी एवं बीज की बुवाई

खेत की अच्छी तरह आड़ी-तिरछी जुताई कर मिट्टी को भुरभुरी कर लेना चाहिए तत्पश्चात एक मीटर चौड़ी 10 मीटर लम्बी 15 सेमी ऊंचाई की क्यारी बना लें, क्यारी के दोनों ओर सिंचाई नाली बनाये क्यारी तैयार कर 50-60 किलोग्राम नाडेप कम्पोस्ट मिलाकर समतल कर दें तैयार क्यारी में उपचारित बीज को बिखेर दें तथा ऊपर से कम्पोस्ट खाद की पतली परत बिछाकर बीजों को ढ़क दे बीज का उपचार कर ही क्यारी डालना चाहिए। बीज उपचार हेतु स्युडोमोनास फ्लोरोसेंस 3 ग्राम प्रतिकिलो बीज की दर से उपयोग करना आवश्यक होता है। प्रति क्यारी 120 ग्राम बीज की मात्रा या 12 ग्राम प्रति वर्ग मीटर बीज की रोपणी डालने की आवश्यकता होती है। रोपणी की बोनी उपरांत प्रथम सिंचाई हजारे से की जाना चाहिए, शेष सिंचाई रोपणी के दोनों तरफ उपलब्ध सिंचाई नाली से करना चाहिए।

रोपाई हेतु खेत की तैयारी

रोपाई किये जाने वाले खेत की अच्छी तरह जुताई कर भुरभुरा कर लें तथा खेत में पाटा लगाकर भूमि को समतल कर लेना चाहिए। तथा खेत में 8-10 टन नाडेप कम्पोस्ट/गोबर की पकी हुई खाद प्रति हेक्टेयर की दर से मिला देना चाहिए। इस प्रकार रोपणी के लिए खेत तैयार हो जायेगा। सामान्यतः 10-15 दिन की पौध इस पद्धति में रोपाई हेतु उपयुक्त होती है। इन पौधों को जड़ सहित सावधानीपूर्वक उखाड़ कर 20 से 30 मिनट के अंदर खेत में रोप देना चाहिए। रोपाई एक से दो सेमी गहराई पर करें तथा पौध को खेत में सीधा रोपना चाहिए। रोपाई के समय खेत में पानी भरा नहीं होना चाहिए। एक स्थान पर एक ही पौधे की रोपाई करें तथा पौध से पौध की दूरी 25 सेमी एवं कतार से कतार की दूरी 23 सेमी रखना चाहिए, जिससे कंसे अधिक संख्या में निकलते हैं।

खाद उर्वरक की मात्रा

खेत की मिट्टी का परीक्षण कराकर तत्वों की उपलब्धता जानने के बाद ही खाद की मात्रा निश्चित की जानी चाहिए, इस विधि में कार्बनिक खादों एवं रासायनिक खादों का उपयोग करना अनिवार्य है चयनित खेत में हरी खाद के लिए सनई/ढैंचा की बोनी कर 20-25 दिन बाद मचाई कर मिट्टी में मिला दें तथा 3-4 दिन के लिए छोड़ दें तत्पश्चात रोपाई करें। रासायनिक खाद में 80 किलोग्राम 50 किलोग्राम फास्फोरस तथा 30 किलोग्राम पोटाश की आवश्यकता प्रति हेक्टर होती है। फास्फोरस व पोटाश की पूरी मात्रा का उपयोग आधार खाद के रुप में किया जाना चाहिए व नत्रजन का उपयोग तीन किश्तों में 20 प्रतिशत के एक सप्ताह बाद 50 प्रतिशत कंसे फूटने के समय एवं शेष 30 प्रतिशत गभोट के प्रारंभ काल में किया जाना चाहिए। वानस्पतिक वृद्धि अधिक होने पर नत्रजन की मात्रा कम की जा सकती है।

अमेरिका ने रूसी कंपनी के सॉफ्टवेयर को बैन करने की घोषणा की

वाशिंगटन। अमेरिका ने साइबर सुरक्षा कंपनी कैस्परस्की द्वारा बनाए गए एंटीवायरस सॉफ्टवेयर की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने कहा कि रूसी सरकार की आक्रामक साइबर क्षमताओं और कैस्परस्की के संचालन को प्रभावित करने या निर्देशित करने की क्षमता के कारण अमेरिका में कंपनी के संचालन से राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा है। कैस्परस्की अब आम तौर पर अन्य गतिविधियों के अलावा अमेरिका में अपने सॉफ़्टवेयर नहीं बेच सकेगी और न ही पहले से उपयोग किये जा रहे सॉफ़्टवेयर के अपडेट प्रदान करने में सक्षम होगी। वाणिज्य सचिव जीना रायमोंडो ने कहा, रूस ने बार-बार दिखाया है कि उनके पास कैस्परस्की लैब जैसी रूसी कंपनियों का शोषण करने की क्षमता और इरादा है, ताकि वे संवेदनशील अमेरिकी जानकारी एकत्र कर सकें और हथियार बना सकें। हम अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा और अमेरिकी लोगों की सुरक्षा के लिए अपने पास मौजूद हर उपकरण का उपयोग करना जारी रखने वाले हैं। अमेरिका में कैस्परस्की सॉफ्टवेयर की बिक्री पर 20 जुलाई से प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। रूसी बहुराष्ट्रीय कंपनी 29 सितंबर तक मौजूदा यूजरों को सॉफ्टवेयर अपडेट प्रदान करने में सक्षम होगी। कैस्परस्की का सॉफ्टवेयर यूजरों को ट्रोजन, स्पाइवेयर और अन्य साइबर खतरों से बचाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

खालिस्तानी आतंकवादियों ने लगाई नागरिक अदालत, भारत ने जताई आपत्ति

टोरंटो। भारत ने वैंकूवर में भारतीय वाणिज्य दूतावास के बाहर खालिस्तानी आतंकवादियों द्वारा नागरिक अदालत लगाने और भारत के प्रधानमंत्री का पुतला जलाने पर कनाडा सरकार के सामने कड़ा विरोध जताया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि भारत ने कनाडा के उच्चायोग को राजनयिक नोट जारी कर खालिस्तानी आतंकवादियों की हालिया कार्रवाइयों और नागरिक अदालत आयोजित करने पर गंभीर आपत्ति जताई है। नोट में भारत ने कनाडाई उच्चायोग को जस्टिन ट्रूडो सरकार द्वारा कनाडा में खालिस्तानी आतंकवादियों को दी जा रही शह की कड़ी निंदा की है। कनाडा की संसद ने खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की याद में मौन रखा गया था, जिसके एक दिन बाद भारत ने यह आपत्ति जताई है। निज्जर की पिछले साल जून में ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में गोली मारकर हत्या दी गई थी।

तलाक के लिए आईफोन को बताया दोषी, ठोका मुकदमा, पत्नी ने पकड़ लिया था रंगे-हाथों

लंदन । इंग्लैड के अज्ञात व्यक्ति ने पत्नी से तलाक के लिए आईफोन को जिम्मेदार ठहराते हुए एप्पल कंपनी पर मुकदमा ठोक दिया है। युवक का दावा है कि उसकी पत्नी को सेक्स वर्कर्स के साथ उसकी संबंधों का पता उनके साझा आईमेक के जरिए चला, जहां उसके आईमैसेज उसके आईफोन से डिलीट होने के बावजूद बने रहे। यही वजह है कि शख्स ने 6.3 मिलियन डॉलर का मुकदमा किया है। शख्स को इस बात की जानकारी नहीं थी कि ऐपल का सिंक फीचर एक ही ऐपल आईडी वाले डिवाइसों पर मैसेज को सुरक्षित रखता है। ऐसे जब उनकी पत्नी को यह सबूत मिला और उन्होंने तलाक के लिए अर्जी दायर कर दिया।रिपोर्ट्स के मुताबिक इस अनजान शख्स ने लंदन बेस्ड लीगल फर्म रोसेनब्लाट के जरिए आईफोन मेकर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है। मुकदमा इस तर्क पर केंद्रित है कि आईमैसेज के फंक्शन में अलग-अलग डिवाइस पर मैसेज को हटाने के संबंध में स्पष्टता का अभाव है। शख्स का मानना है कि अगर यह खुलासा इस तरह से नहीं होता, तो शायद शादी को बचाने का एक मौका होता। शख्स का तर्क है कि उनकी पत्नी को इस बारे में काफी गलत तरीके से पता चला। उनके मुताबिक अगर वे अपनी पत्नी से तर्कसंगत तरीके से बात कर पाते और तो उन्हें इस बात का शायद इतना गलत अहसास नहीं होता और वे शायद शादीशुदा होते।शख्स ने कहा कि यदि आपको बताया जाता है कि कोई मैसेज हटा दिया गया है तो आपको ये मानने का अधिकार है कि वह हटा दिया गया है। शख्स ने कहा कि अगर मैसेज में ये लिखा होता कि इन मैसेज को केवल इस डिवाइस से डिलीट कर दिया गया है। तब भी आपके पास समझने को एक हिंट होता। उन्होंने आगे कहा कि मैसेज केवल इस डिवाइस में डिलीट किए गए हैं। ऐसा कहना ज्यादा साफ तौर पर इंडिकेट करता।अब वह ऐपल को जवाबदेह ठहराने के लिए कानूनी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं और ऐसे अन्य लोगों का प्रतिनिधित्व करने के लिए सामूहिक मुकदमा दायर करने पर विचार कर रहे हैं, जिन्होंने तकनीकी गलतफहमी के कारण इसी तरह की स्थितियों का सामना किया हो। वह अन्य पुरुषों के लिए सामूहिक मुकदमा दायर करना चाहते हैं, जो अपने फोन का इस्तेमाल करना नहीं जानते।

पुतिन ने तानाशाह को तोहफे में दी कार...

मॉस्को । रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जब उत्तर कोरिया के दौरे पर पहुंचे तब अपने मित्र और तानाशाह किम जोंग उन को ऐसा तोहफा दिया, जिसकी चमक पूरी दुनिया में फैल गई। पुतिन ने लिमोजिन कार तानाशाह किम जोंग को तोहफे में दी है। इस कार को रॉल्स रॉयल्स की कॉपी कहा जा रहा है, लेकिन कार की खासियत दुनियाभर की गाड़ियां इसके आगे पानी भरती हैं। न सिर्फ कीमत बल्कि फीचर्स भी कार को पूरा बंकर बना देते हैं।

दरअसल, ऑरस लिमोजिन कार को खासतौर पर पुतिन के लिए ही बनाया गया है। जाहिर है कि इसकी खूबियां भी जबरदस्त होंगी। इस कार को पुतिन के खास निर्देश पर बनाया गया है और पहली बार साल 2018 में उतारी गई। इसका डिजाइन रूस की कंपनी नामी ने तैयार किया है, जबकि मॉडल को रूस की सेंट्रल साइंटिफिक रिसर्च ऑटोमोबाइल और ऑटोमोटिव इंजन इंस्टीट्यूट ने मिलकर विकसित किया है। ऑरस कंपनी की इस सीनेट ब्रांड के 3 मॉडल आते हैं। इसमें स्टैंडर्ड सीनेट, सीनेट लांग और सीनेट लिमोजिन शामिल है। रूसी कंपनियों का कहना है कि यह 1940 में सोवियत काल के समय बनी जेडआईएस 110 सोवियत लिमोजिन से प्रेरित है। किम जोंग उन के पास पहले से ही मर्सिडीज के चार मॉडल और एक लेक्सस कार है। अब उनके बेड़े में रूस की यह सुपर कार भी शामिल हो गई है।

यह कार 6,700 मिमी (6.70 मीटर) लंबी है और इसका वजन 2,700 किलोग्राम है। कार को पूरी तरह बुलेट प्रूफ बनाया गया है और इस पर गोलियों या बम का जरा भी असर नहीं होता। चाहे गाड़ी पर बम फेंका जाएं या जमीन में रखकर विस्फोट किया जाए, यह कार नीचे से ऊपर तक पूरी तरह सुरक्षित है। कार में सेल्फ कंटेन ऑक्सीजन सप्लाई सिस्टम है, जबकि टायर फ्लैट रबर से बने हैं। कार के अंदर ही सिक्योर लाइन कम्युनिकेशन सिस्टम है, जो दुनिया में कहीं भी बात करने की सुविधा देता है। इतना ही नहीं यह कार खुद भी कई तरह के घातक हथियारों से लैस है। ये फीचर कार को एक बंकर में तब?दील कर देते हैं।

ऑरस लिमोजिन में 6.6 लीटर वी12 इंजन लगा है। यह 850 बीएचपी की पावर जेनरेट करता है। इसका इंजन बनाने में पोर्शे ने भी मदद की है। भारत में बिकने वाली लग्जरी एसयूवी फॉर्च्यूनर के मुकाबले इसमें 4 गुना से भी ज?यादा ताकत है। फॉर्च्यूनर 201 बीएचपी की पावर जेनरेट करता है। जाहिर है कि यह ऐसी 4-4 कारों को एकसाथ खींच सकता है। सबसे पहले इसे साल 2018 में उतारा गया था, तब इसकी कीमत 1.6 लाख डॉलर (1.32 करोड़ रुपये) थी। साल 2021 में इसकी कीमत रिवाइज करके 3 लाख डॉलर (2.40 करोड़ रुपये) कर दी गई। रूसी एजेंसियों के मुताबिक, 2024 में अब तक रूस में इसके 40 मॉडल की बिक्री हुई है। साल 2022 में सिर्फ 31 कारों की ही बिक्री हुई थी।

बांग्लादेश में आई बाढ़ के बीच ही पानी में डूबा नजर आ रहा सियालहाट इलाका।

चीन ने फिलीपीन के साथ दोहराया गलवान... चाकू और कुल्हाड़ी से किया हमला

मनीला । दूसरे देशों की जमीन पर बुरी निगाह रखने वाले चीन ने दक्षिणी चीन सागर में गलवान जैसी घटना फिर की है। चीनी सैनिकों पर अपने पड़ोसी राष्ट्र फिलीपीन की नौसेना पर चाकू और कुल्हाड़ी लेकर हमला करने और जमकर लूटपाट करने का आरोप लगा है। फिलीपीन सेना ने चीनी सैनिकों की करतूत के वीडियो भी सोशल मीडिया पर जारी किए हैं। फिलीपीन अधिकारियों ने चीन को लताड़ लगाकर समुद्री लूट करार दिया। वीडियो में चीनी सैनिकों की लूटपाट देखी जा सकती है। वे फिलीपीन सैनिकों पर चाकू और कुल्हाड़ी से हमला कर रहे हैं। फिलीपीन के सैन्य प्रमुख ने मांग की कि चीन विवादित तटवर्ती क्षेत्र में चीनी तटरक्षक द्वारा जब्त किए गए हथियार और उपकरण लौटाए और हमले में हुए नुकसान की भरपाई करे। फिलीपीन के अधिकारियों के अनुसार, आठ से अधिक मोटरबोट पर सवार चीनी तटरक्षक कर्मियों ने फिलीपीन की नौसेना की दो नौकाओं को बार-बार टक्कर मारी और उन पर चढ़ गए। इतना ही नहीं चीनी तटरक्षक कर्मियों ने फिलीपीन नौसेना कर्मियों को दक्षिण चीन सागर में अपनी नावों से रोक दिया। इन क्षेत्रों पर चीन अपना दावा करता आया है। चीनी सैनिकों ने पहले फिलीपीनो सैनिकों की नावों को टक्कर मारी और फिर वे हथियार लहराते हुए उनकी नावों में कूद गए। वीडियो में देखा जा सकता है कि चीनी कर्मियों ने नौकाओं को जब्त कर फिलीपीन सैनिकों पर हमला किया। चीनी सैनिक उनकी सेना के कई उपकरणों, आठ एम4 राइफलें भी अपने साथ लूटकर ले गए। फिलीपीन सशस्त्र बलों के प्रमुख जनरल रोमियो ब्रॉनर जूनियर ने कहा, चीनी सेना ने जो किया जो भुलाया नहीं जा सकता।

सांसद चंद्रा आर्य ने खालिस्तान समर्थकों को कनाडा की संसद में सुनाई खरी-खरी

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा में भारतीय मूल के सांसद चंद्रा आर्य ने संसद में खड़े होकर खालिस्तान समर्थकों को जमकर कोसा। उन्होंने याद दिलाते हुए कहा कि 23 जून को भारतीय विमान को हवा में उड़ा दिया गया था। इसके जिम्मेदार कनाडाई खालिस्तानी आतंकी थे। चंद्रा आर्य ने एक्स पर लोगों से 1985 एयर इंडिया बम विस्फोट के पीड़ितों की याद में एक समारोह में शामिल होने की अपील की। विमान पर हमले की यह 39वीं बरसी है। इसे आतंकवाद के पीड़ितों के लिए राष्ट्रीय स्मरण दिवस के रूप में मनाया जाता है। चंद्रा आर्य ने कहा कि यह कनाडा के इतिहास में सबसे बड़ी सामूहिक हत्या है। इसके बाद उन्होंने हाल ही में खालिस्तान समर्थकों की ओर से भारतीय पीएम इंदिरा गांधी की हत्या का जश्न मनाने पर चिंता जताई। उन्होंने कहा, कनाडा की संसद में हाल ही में खालिस्तान समर्थकों की ओर से हिंदू भारतीय पीएम की हत्या का जश्न मनाया गया, जिसमें हिंसा और नफरत का महिमामंडन किया गया, जो दिखाता है कि अंधेरी ताकतें फिर संक्रिय हो गई हैं। ये दिखाता है कि देश के लिए आने वाला समय भयानक होगा।

23 जून 2024 को इस मेमोरियल सर्विस का आयोजन किया गया है, जिसमें उन्होंने लोगों को आने को कहा। यह आयोजन राजधानी ओटावा में डॉव ज़ील के पास और ओंटारियो में क्वीन्स पार्क साउथ लॉन में स्मारक स्थल पर 12 बजे आयोजित की जाएगी। संसद में उन्होंने खालिस्तान समर्थकों की ओर से हिंसा को बढ़ावा देने का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 23 जून आतंकवाद के पीड़ितों के लिए स्मृति दिवस है। 39 साल पहले इसी दिन एयर इंडिया फ्लाइट 182 कनाडाई खालिस्तानी चरमपंथियों की ओर से लगाए गए बम से हवा में ही उड़ गई थी। उन्होंने आगे याद दिलाते हुए कहा कि विमान में सवार सभी 329 यात्री और चालक दल की मौत हो गई थी। कनाडा के इतिहास में यह सबसे बड़ा हमला माना जाता है। इस हमले में 268 कनाडाई लोगों की मौत हुई थी। मरने वालों में 27 ब्रिटिश और 24 भारतीय नागरिक थे।

आतंकवाद से निपटने के लिए अभियोजन तंत्र को मजबूत बनाएं : राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी

इस्लामाबाद। (एजेंसी)। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने आतंकवाद और उग्रवाद से उत्पन्न खतरे का प्रभावी तरीके से मुकाबला करने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों की क्षमता बढ़ाने एवं उनके अभियोजन तंत्र में सुधार लाने का आह्वान किया है। समाचार पत्र 'डॉन' की एक खबर के अनुसार, जरदारी ने अशांत प्रांत बलूचिस्तान में सुरक्षा, कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर आयोजित एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह बात कही।

उन्हें कानून प्रवर्तन एजेंसियों को दिए गए अधिकार में खामियों के बारे में भी बताया गया। ईरान और अफगानिस्तान की सीमा से लगे बलूचिस्तान में लंबे समय से उग्रवाद है और वहां अक्सर सैन्य काफिलों एवं सुरक्षा कर्मियों पर हमले होते रहते हैं। बंदरगाह शहर ग्वादर में हुई बैठक में जरदारी ने प्रांतीय सरकार के प्रयासों के साथ-साथ आतंकवाद से निपटने में कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बलिदान की सराहना की, लेकिन उन्होंने सुधार की आवश्यकता पर भी जोर दिया। खबर में उनके हवाले से कहा गया है, अभियोजन तंत्र में सुधार की आवश्यकता है, ताकि आतंकवादी न्याय की जद से नहीं बच सकें।

प्रांत में सक्षम और बहादुर पुलिस अधिकारियों को तैनात करने की आवश्यकता है, क्योंकि इससे प्रांत में कानून व्यवस्था की स्थिति में सुधार होगा। एक्सप्रेस ट्रिब्यून समाचार पत्र की एक अन्य खबर के अनुसार, जरदारी ने राजनीतिक संवाद पर जोर देते हुए कहा कि बलूचिस्तान में समृद्धि, विकास और शांति लाने के लिए यही रास्ता है। राष्ट्रपति को बताया गया कि प्रांतीय सरकार चीनी और विदेशी नागरिकों को पूर्ण सुरक्षा मुहैया कराने के लिए कदम उठा रही है।

इजराइल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सैकड़ों लोगों ने किया योग

-भारतीय राजदूत सिंगला बोले-योग केवल शारीरिक मुद्राओं का अभ्यास नहीं

तेल अवीव (एजेंसी)। 21 जून अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर इजराइल में तीन सौ से ल्यादा लोगों ने पेरेस सेंटर फॉर पीस एंड इनोवेशन में योग किया और इसे अपने जीवन में हमेशा करने का संकल्प लिया। इस योग कार्यक्रम में प्रथम महिला मिशल हेर्जोग मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं और उन्होंने भी योग किया।

इस मौके पर इजराइल में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इजराइल में भारतीय दूतावास ने तेल अवीव-याफो नगर पालिका और इजराइल के संस्कृति और खेल मंत्रालय के सहयोग से योग दिवस का आयोजन किया था। इस मौके पर हेर्जोग ने भारत और इजराइल के बीच गहरी दोस्ती पर बात की। हेर्जोग ने कहा कि आपने आज स्पष्ट रूप से दिखा दिया कि भारत परवाह करता है। भारत, इजराइल के साथ हमेशा खड़ा है। युद्ध के शुरुआती क्षणों में ही दोस्ती की यह भावना स्पष्ट दिखी।

हेर्जोग ने कहा कि भारत के पीएम नरेन्द्र मोदी ने आगे आकर नरसंहार की निंदा की थी और हमारे बंधकों की रिहा करने की मांग की थी। इजराइल में भारतीय राजदूत संजीव सिंगला ने कहा कि योग की प्राचीन क्रिया ने सीमाओं और संस्कृतियों को पार किया है। उन्होंने कहा कि हम इस कालातीत परंपरा के सार पर विचार करें। योग की मूल शिक्षा केवल शारीरिक मुद्राओं का अभ्यास नहीं बल्कि इसे करने से एकता, करुणा और मन को शांति भी मिलती है। योग सत्र की शुरुआत दूतावास की योग शिक्षिका दर्शना राजपूत के नेतृत्व में योग मुद्राओं की प्रस्तुति से हुई।

भारतीय छात्रों को ... अमेरिका में ट्रंप की गारंटी

वाशिंगटन (एजेंसी)। आव्रजन के मुद्दे पर अपने सख्त रुख में आश्चर्यजनक बदलाव कर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिकी कॉलेजों से ग्रेजुएशन करने वाले विदेशी छात्रों को सीधे ग्रीन कार्ड देने की इच्छा जाहिर की है। एक इंटरव्यू के दौरान ट्रम्प ने कहा कि 'मैं जो करना चाहता हूं और जो करूंगा, वह यह है कि जब आप किसी कॉलेज से ग्रेजुएट होते हैं, तब मुझे लगता है कि आपको अपने डिप्लोमा के हिस्से के रूप में खुद-ब-खुद ग्रीन कार्ड मिलना चाहिए, इस देश में रहने में सक्षम होने के लिए एक ग्रीन कार्ड। उन्होंने प्रस्ताव में दो साल के जूनियर कॉलेजों और डॉक्टरेट कार्यक्रमों के ग्रेजुएट को भी शामिल करने के लिए कहा।

ट्रम्प का यह बदला हुआ मिजाज अमेरिकी कॉलेजों में पढ़ रहे भारतीय

छात्रों का जोश बढ़ाने वाला है। रिपोर्ट के मुताबिक 2022-23 शैक्षणिक वर्ष के दौरान अमेरिका में उच्च शिक्षा का विकल्प चुनने वाले भारतीय छात्रों की संख्या अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गई। यह उछाल पिछले साल की तुलना में 35 फीसदी बढ़ोतरी को दिखाता है। आंकड़ों से पता चला है कि 200,000 से अधिक भारतीय छात्रों ने विभिन्न अमेरिकी संस्थानों में दाखिला लिया, जो कि एक नया रिकॉर्ड है।

कैरियर की संभावनाओं को बढ़ाने के मौके ने अमेरिका को भारतीय छात्रों के लिए एक पसंदीदा जगह बना दिया है। ट्रंप की यह ताजा टिप्पणी उनके विशिष्ट आप्रवासी विरोधी बयानबाजी को छोड़ने का संकेत देती है। ट्रम्प अक्सर आप्रवासियों को सार्वजनिक सुरक्षा, नौकरी की सुरक्षा और सरकारी संसाधनों के लिए खतरा बताते रहे हैं। जब दुनिया भर से सबसे अच्छे और प्रतिभाशाली लोगों को अमेरिका में लाने की योजना के बारे में पूछा गया, तब ट्रम्प ने जवाब दिया 'मैं इसका वादा करता हूं।

गौरतलब है कि ग्रीन कार्ड या स्थायी निवासी कार्ड, अमेरिकी नागरिकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ट्रम्प की योजना का उद्देश्य उन प्रतिभाशाली व्यक्तियों को अमेरिका में बनाए रखना है जिन्होंने अमेरिका में अपनी शिक्षा हासिल की है।जो अक्सर इन छात्रों को उनके गृह देशों में वापस लौटते हुए देखते हैं।

इसरो के अंतरिक्षयात्रियों को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी, रहने का मिलेगा प्रशिक्षण

वॉशिंगटन (एजेंसी)। इसरो के अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी चल रही है। वहां रहने और खुद को सरवाइव करने की ट्रेनिंग देकर उन्हे यात्रा पर भेजा जाएगा। नासा के प्रशासक बिल नेल्सन ने कहा कि अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी इसरो के भी एक अंतरिक्ष यात्री को अंतरराष्ट्रीय स्पेस सेंटर में रहने की ट्रेनिंग देगी। क्रिटिककल और आधुनिक तकनीक (आईसीईटी) को बढ़ावा देने के लिए भारत और अमेरिका मिलकर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा, पिछले साल हम भारत गए थे। मानवता की भलाई के लिए भारत और अमेरिका मिलकर काम करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा, अंतरिक्ष के क्षेत्र में हम मिलकर काम करेंगे और इसरो के एक अंतरिक्षयात्री को आईएसएस तक जाने, वहां रहने और लौटने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। इसे भविष्य में अंतरिक्ष विज्ञान को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर ये बातें कही हैं।

बिल नेल्सन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में नासा भारतीय अंतरिक्ष यात्री के साथ संयुक्त अभियान करेगा। बता दें कि दोनों एनएसए ने अंतरिक्ष उड़ान सहयोग और रणणनीतिक ढांचे के विकास के लिए बातचीत की। यह नासा और इसरो अंतरिक्षयात्रियों का पहला संयुक्त प्रयास होगा। संभव है कि इस साल के आखिरी में भारतीय अंतरिक्ष यात्री आईएसएस के लिए उड़ान भरे। संभव है कि इसरो ट्रेनिंग के लिए चार अंतरिक्षयात्रियों का चुनाव करे। नासा और इसरो साथ नासा इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार यानी निसार को लॉन्च करने जा रहे हैं। यह मिशन जलवायु परिवर्तन से निपटने में सहयोगी हो सकता है। यह हर 12 दिन में दो बार पृथ्वी की मैपिंग करेगा। जेक सुलिवन और एनएसएस अजीत डोभाल बीच बातचीत के बाद यह ऐलान किया गया है। इस उपग्रह को नासा और इसरो ने मिलकर तैयार किया है। बता दें कि भारत के सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और उनके समकक्ष जेक सुलीवन के बीच हुई मुलाकात के बाद नेल्सन ने यह बात कही है। सुलिवन ने सोमवार को कहा था कि इसरो के अंतरिक्षयात्रियों को अडवांस ट्रेनिंग दी जाएगी।

बलूचिस्तान में लगातार हो रहा सरकार के खिला विरोध प्रदर्शन, जबरन गायब किए गए लोगों की सुरक्षित रिहाई की मांग

इस्लामाबाद। (एजेंसी)। बलूचिस्तान के तुर्बत में फिदा चौक से सैकड़ों प्रदर्शनकारी जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने एकत्रित हुए और जबरन गायब किए गए लोगों की सुरक्षित रिहाई की मांग की। बलूच यकजहती समिति (BYC) ने आरोप लगाया कि पाकिस्तानी प्रशासन ने इस मामले पर कोई ध्यान नहीं दिया है। शुक्रवार को यह विरोध प्रदर्शन लगातार पांचवें दिन भी जारी रहा।

'तेज गर्मी में चार दिनों तक धरना देने के बाद, परिवार अब ष्ठ.ष्ट. कार्यालय की ओर मार्च कर रहे हैं, जहाँ वे अपने प्रियजनों के वापस आने तक अपना विरोध जारी रखेंगे। इस कठिन समय में, हम अपने देश से D.C. कार्यालय के सामने धरने में भाग लेने और अपने बुजुर्ग पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को प्रोत्साहित करने का आग्रह करते हैं, क्योंकि उनके दुख और तकलीफें शब्दों से परे हैं,' BYC ने X पर पोस्ट किया।

BYC ने यह भी बताया कि प्रदर्शनकारियों का स्वास्थ्य गंभीर रूप से बिगड़ रहा है क्योंकि पाकिस्तान में इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है। लेकिन, उन्होंने पुष्टि की कि जबरन गायब किए गए पीड़ितों को वापस लाने के लिए प्रदर्शनकारियों का दृढ़ संकल्प 'दृढ़' बना हुआ है।

बाद की पोस्ट में कहा गया अपने प्रियजनों की सुरक्षित वापसी के लिए परिवारों द्वारा किया जा रहा धरना प्रदर्शन चौथे दिन भी जारी रहा। इस भीषण गर्मी में वे अपनी जान की लड़ाई लड़ रहे हैं, जबकि जिला प्रशासन छुट्टी पर होने का दिखावा कर रहा है। वे धरना प्रदर्शन में शामिल भी नहीं हो पा रहे हैं और इन बुजुर्ग महिलाओं और पुरुषों की बात भी नहीं सुन पा रहे हैं, जो बेहद निराशाजनक है। हम केच के लोगों से इस धरना प्रदर्शन में शामिल होने और अपने बुजुर्गों का समर्थन करने की अपील करते हैं, क्योंकि हम ही उनकी एकमात्र उम्मीद हैं।

इससे पहले, बीवाईसी ने घोषणा की थी कि तुर्बत के शहीद फिदा चौक पर चल रहा धरना तब तक जारी रहेगा, जब तक जबरन गायब किए गए लोगों को सुरक्षित रिहा नहीं कर दिया जाता। बीवाईसी ने आगे कहा कि गायब हुए लोगों की सुरक्षित वापसी के बारे में स्थानीय प्रशासन के वादों के बावजूद, मौजूदा अधिकारियों की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

बीवाईसी ने कहा, 'ईद आ गई और चली गई, लेकिन बलूच परिवार ईद के बाद से लापता अपने प्रियजनों की सुरक्षित वापसी की मांग करते हुए शहीद फिदा

चौक तुर्बत पर विरोध प्रदर्शन जारी रखे हुए हैं। जिला प्रशासन ने पहले उन्हें उनके प्रियजनों की रिहाई का झूठा आश्वासन दिया था। अब, कोई भी राज्य प्राधिकरण उनकी मांगों को पूरा करने के लिए आगे नहीं आया है।' बलूच यकजहती समिति ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भी इस मुद्दे पर एकजुटता दिखाने का आह्वान किया और उन सभी बलूच व्यक्तियों की रिहाई की मांग की जिन्हें जबरन गायब कर दिया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सीएम योगी ने किया योगासन, बोले-

योग में कोई भेद नहीं,सभी को अपनाना चाहिए

लखनऊ। (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने योग दिवस की थीम पर कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस जिस थीम योग सबके लिए के साथ पूरी दुनिया में आयोजित हो रहा है। इसका अर्थ है कि इसमें कोई भेद नहीं है। इसमें जाति का भेद नहीं है, क्षेत्र का, भाषा का, काल का, देश का भेद नहीं है। मेरी अपील है कि योग को नियमित अभ्यास का हिस्सा बनाएं। एक समय आपको स्वयं अहसास होगा कि जो भी समय आपने योग के लिए समर्पित किया है वो आपके स्वस्थ और दीर्घ जीवन के लिए, आपके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अति उत्तम रहा है। यदि नियमित दिनचर्या के साथ इसको आगे बढ़ाएंगे तो इसका हमें भरपूर लाभ प्राप्त होगा। 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रदेश के सभी जिलों में इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसके अलावा स्कूल-कॉलेजों और शिक्षण संस्थानों में योग दिवस मनाया जा रहा है। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को लखनऊ के राजभवन प्रांगण में आयोजित सामूहिक योगाभ्यास में शामिल हुए और योगाभ्यास किया। उनके साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने भी योगाभ्यास में हिस्सा लिया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर शुक्रवार को पर्यटन विभाग की तरफ से राजभवन में योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम सहित कई मंत्री और अधिकारी सम्मिलित हुए।

सीएम योगी ने कहा- अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, योग की जिस थीम के साथ आज पूरे देश पूरी दुनिया में आयोजित हो रहा है, इसमें जाति, भाषा, काल का भेद नहीं है। अपनी-अपनी विधा के साथ हर व्यक्ति इससे जुड़ेगा। सीएम योगी ने देशवासियों से आग्रह किया कि योग को नियमित अभ्यास का हिस्सा बनाए।

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने अयोध्या में योग कार्यक्रम में भाग लिया। वहीं काशी और प्रयागराज में भी पर्यटन विभाग के सहयोग से योग के कई कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इस वर्ष योग दिवस की थीम स्वयं और समाज के लिए योग रखी गई है। सरकार के निर्देशानुसार प्राचीन सांस्कृतिक पर्यटन स्थलों, ऐतिहासिक स्थानों, नदियों, झीलों, तालाबों, अमृत सरोवरों पर भी योग के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

यूजीसी-नेट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने की एफआईआर दर्ज

-18 जून को आयोजित की गई थी परीक्षा को किया था रद्द

नई दिल्ली। सीबीआई ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के मद्देनजर यूजीसी-नेट पेपर लीक मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। यूजीसी-नेट जूनियर रिसर्च फेलोशिप, सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति और भारतीय विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में पीएचडी में प्रवेश के लिए यह परीक्षा आयोजित की जाती है। इस बार यह परीक्षा 18 जून को दो पालियों में पूरे देश में आयोजित की गई थी। सूत्रों ने बताया कि अगले दिन यूजीसी को आई4सी की इकाई को सूचना मिलीं कि पेपर डार्कनेट पर उपलब्ध हैं और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर पांच से छह लाख रुपए में बिक रहा हैं। अधिकारियों ने कहा कि शिक्षा मंत्रालय की शिकायत के मुताबिक केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत काम करने वाले आई4सी से मिली जानकारियां शुरुआती जांच में इस बात के संकेत मिले हैं कि परीक्षा की शुचिता से समझौता किये जाने की आशंका है। शिक्षा मंत्रालय के सचिव के. संजय मूर्ति के नोट में कहा गया है कि परीक्षा प्रक्रिया में उच्चतम स्तर की पारदर्शिता और पवित्रता सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने उक्त परीक्षा को रद्द करने और मामले की गहन जांच के लिए मामले को केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंपने का फैसला किया है।

बाजार हस्तक्षेप के लिए गेहूं का पर्याप्त भंडार उपलब्धः केंद्र सरकार

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आज आवश्यक वस्तुओं की कीमतों की समीक्षा के लिए मंत्रियों की समिति की बैठक हुई। गेहूं के स्टाक और मूल्यों की स्थिति पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। आरएमएस 2024 में 18 जून, 2024 तक लगभग 266 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है, जबकि आरएमएस 2023 में 262 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हुई थी। सार्वजनिक वितरण प्रणाली और अन्य कल्याण योजनाओं के लिए लगभग 184 लाख मीट्रिक टन गेहूं की आवश्यकता होती है। इसे पूरा करने के बाद जब भी आवश्यकता होती है ते ब बाजार हस्तक्षेप के लिए गेहूं का पर्याप्त भंडार उपलब्ध होता है। केंद्रीय मंत्री ने निर्देश दिया कि गेहूं की कीमतों पर कड़ी नजर रखी जाए और देश के उपभोक्ताओं के लिए मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए उपयुक्त नीतिगत हस्तक्षेप किए जाएं।

केंद्रीय मंत्री जी.कृष्ण रेड्डी ने कोयला खदानों के तेज परिचालन पर बल दिया

नई दिल्ली। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी.कृष्ण रेड्डी ने कंपनी के अपने उपयोग (कैप्टिव) और वाणिज्यिक कोयला ब्लॉकों के प्रबंधन की समीक्षा करने के लिए कोयला मंत्रालय के अधिकारियों के साथ एक बैठक की। मंत्री महोदय ने राज्य सरकार तथा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय सहित सभी हितधारकों के बीच सघन समन्वय पर जोर दिया है, ताकि मुद्दों के शीघ्र समाधान को सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि मुद्दों के शीघ्र समाधान से आवंटित कोयला ब्लॉकों को कम से कम समय में चालू किया जा सकेगा। मंत्री ने निर्देश दिया कि राज्य स्तर पर आवश्यक संस्थागत सुदृढ़ीकरण का समर्थन किया जा सकता है। सभी कोयला ब्लॉक आबंटनों को नियमित आधार पर सुविधा प्रदान की जानी चाहिए, ताकि कोयला खदानों को जल्द से जल्द चालू किया जा सके। कोयला मंत्रालय ने अब तक 575 एमटी की शीर्ष रेटेड क्षमता वाली 161 कोयला खदानों का आबंटन/नीलामी की है। इनमें से 58 खदानों को खदान खोलने की अनुमति मिल गई है और 54 खदानें परिचालन में हैं। पिछ्ले वर्ष इन खदानों ने कुल 147 मीट्रिक टन कोयले का उत्पादन किया है, जो देश के कुल कोयला उत्पादन का 15 प्रतिशत है।

केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने उद्योग प्रतिनिधियों से बातचीत की

नई दिल्ली । केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने आज संपूर्ण इंडस्ट्री एंड टेक्सटाइल वैल्यू चेन का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रमुख उद्योग प्रतिनिधियों/निर्यात संवर्धन परिषदों/संघों के साथ बातचीत की। मंत्री सिंह ने अपने संबोधन में इस क्षेत्र में भारी निवेश आकर्षित करने, आधुनिक विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के निर्माण, व्यापार करने में आसानी बढ़ाने और विशेष रूप से परिधान/परिधान जैसे श्रम गहन क्षेत्रों में रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करने के महत्व को रेखांकित किया। बातचीत के दौरान केंद्रीय वस्त्र राज्य मंत्री पबित्र मार्गेरिटा, वस्े त्र सचिव रचना शाह और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। विचार-विमर्श आर्थिक विकास में इस क्षेत्र के योगदान और विनिर्माण, निर्यात और रोजगार सृजन में योगदान सहित भविष्य में विकास की संभावनाओं पर केंद्रित था। इंडस्ट्री एंड टेक्सटाइल वैल्यू चेन के हितधारकों ने क्षेत्र के लिए विजन को प्राप्त करने के लिए अपने विचार और सुझाव साझा करने का अवसर प्रदान करने के लिए केंद्रीय मंत्री के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। बातचीत के दौरान उद्योग प्रतिनिधियों ने कपड़ा क्षेत्र की वर्तमान स्थिति पर अपने विचार रखे, जिसमें चुनौतियों, विकास की संभावनाओं और उपलब्ध अवसरों का समाधान शामिल था।

यूपी में राज्यसभा में की थी क्रॉस वोटिंग अब विधायकी जाने का खतरा

-सपा पाला बदलने वाले सात विधायकों के खिलाफ स्पीकर से करेगी शिकायत

नई दिल्ली। (एजेंसी)

लोकसभा चुनाव होने से कुछ महीने ही राज्यसभा के लिए हुए मतदान में समाजवादी पार्टी के सात विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की थी। इन विधायकों के पार्टी बदलने से बीजेपी के एक प्रत्याशी को जीत हासिल हुई थी। तब बीजेपी ने इसे बड़ी सफलता बताया था और पार्टी बलदने वाले इन विधायकों को भी लग रहा था कि सत्तारुढ़ दल के साथ जाकर उन्हें कुछ बड़ा पद हासिल हो जाएगा लेकिन अब रायबरेली की ऊंचाहार सीट से विधायक मनोज पांडेय और फूलपुर की पूजा पाल समेत इन सभी विधायकों को बीजेपी ने भाव नहीं दिया है। वहीं अब समाजवादी पार्टी का कहना है कि वह इन विधायकों के खिलाफ विधानसभा स्पीकर से शिकायत करेंगे और उनकी सदस्यता रद्द करने की मांग करेंगे। अब इन विधायकों की यह स्थिति हो गई कि बीजेपी फायदे के लिए ज्वाइन की थी अब सदस्यता खोकर नुकसान ही उठाना पड़ रहा है। यदि इन विधायकों की सदस्यता खत्म होती है तो यह बड़ा नुकसान होगा क्योंकि राज्य में विधानसभा चुनाव में अभी पूरे तीन साल बाकी है। इसके अलावा लोकसभा चुनाव में भी इन लोगों को टिकट नहीं मिला है। अब यदि सदस्यता चली जाती है तो वे किसी भी सदन के सदस्य नहीं रहेंगे। संकट यह होगा कि यदि बीजेपी से इन विधायकों को उपचुनाव में टिकट नहीं मिला तो इनके लिए बड़ी समस्या खड़ी हो जाएगी। बता दें मनोज पांडेय रायबरेली की ऊंचाहार सीट से विधायक हैं, लेकिन यहां बीजेपी को लोकसभा चुनाव में हार मिली है। वह मतदान से ठीक पहले बीजेपी में चले गए थे। वहीं पूजा पाल, राकेश पांडेय, विनोद चतुर्वेदी, आशुतोष वर्मा और अभय सिंह जैसे विधायकों की सीट पर भी बीजेपी को हार का सामना करना पड़ा है। कहा जा रहा है कि चुनाव नतीजों के बाद से ही बीजेपी ने इनसे संपर्क तोड़ रखा है, जबकि सपा अब ऐक्शन मोड में आ गई है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव कह चुके हैं कि धोखा देने वालों को माफ नहीं किया जाएगा। उनका कहना है कि गलती की माफी दी जा सकती है, लेकिन षड्यंत्र पर माफी नहीं मिल सकती। बता दें कि राज्यसभा में क्रॉस वोटिंग के बाद से ही अखिलेश यादव इन विधायकों से काफी नाराज थे।

क्रिकेटर से सांसद बने यूसुफ पठान को नोटिस जारी, हाईकोर्ट की ली शरण

-पठान बोले-मैं दूसरी पार्टी से चुनाव जीता इसलिए कर रहे प्रताड़ित

नई दिल्ली। (एजेंसी)

भारतीय क्रिकेट टीम के मशहूर पूर्व खिलाड़ी और हाल ही में लोकसभा चुनाव में टीएमसी से सांसद बने यूसुफ पठान ने जमीन अतिक्रमण को लेकर वडोदरा म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन का नोटिस मिलने के बाद हाईकोर्ट पहुंच गए हैं। पठान को छह जून को नोटिस देकर तंदलजा में स्थित वीएमसी के मालिकना हक वाले प्लॉट से 15 दिन के अंदर अतिक्रमण हटाने को कहा गया है। यूसुफ पठान ने हाईकोर्ट को सूचना दी है कि उन्होंने उस जमीन के लिए 2012 में आवेदन दिया था और कॉर्पोरेशन ने 2014 में दूसरे प्लान का प्रस्ताव दिया था। पठान के वकील ने हाईकोर्ट से कहा कि पठान हाल ही में लोकसभा चुनाव में सांसद चुने गए हैं और उन्हें प्रताड़ित करने की कोशिश की जा रही है, क्योंकि वह टीएमसी से चुनाव जीते हैं। पिछले दस साल में कुछ नहीं किया गया और अचानक चुनाव जीतने के बाद छह जून को नोटिस भेज दिया गया। यदि उनकी मांग नहीं मानी तो वे बुलडोजर लेकर आएंगे। पठान ने कोर्ट से कहा कि वीएमसी ने उन्हें और उनके भाई को जमीन आवंटित करने का संकल्प लिया था और राज्य को इसमें दखल देने की जरूरत नहीं है। पठान के आवेदन पर गुजरात हाईकोर्ट ने बीजेपी शासित वीएमसी से जानकारी मांगी है। वीएमसी के नोटिस में दावा किया गया है कि पूर्व क्रिकेटर ने निगम की जमीन पर अस्तबल बना रखा है, जिस पर बीजेपी पार्षद विजय पवार ने जमीन को वापस लेने का प्रस्ताव रखा था। इस प्रस्ताव को बैठक में पारित किया था जिसके बाद वोडदरा म्यूनिसिपल कमिश्नर दिलीप राणा ने पठान को नोटिस जारी किया है।

इससे पहले पवार ने कहा था कि वीएमसी के मालिकाना हक वाले आवासीय प्लॉट की मांग पठान ने की थी क्योंकि यह उनके घर से सटा हुआ था। पठान ने करीब 57 हजार प्रति स्क्वॉयर मीटर का ऑफर किया था। प्रस्ताव को वीएमसी ने पास कर दिया था, लेकिन पवार ने कहा कि राज्य सरकार के पास मंजूरी देने या नहीं देना का पावर है।

वार्ड दस के बीजेपी पार्षद नितिन डोंघा ने भी पठान के खिलाफ जमीन हथियाने का केस दर्ज करने की मांग की है। हाईकोर्ट में इस मामले की अगली सुनवाई 21 जून को होगी।

जल के लिए जल मंत्री अनशन पर

नई दिल्ली। (एजेंसी)

प्यासी दिल्ली में पानी पहुंचाने के बहाने सियासी नौटंकी खूब हो रही है। भाजपा,आप और कांग्रेस दिल्ली के हितैषी बनने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन पानी की व्यवस्था कोई नहीं करा पा रहा है। दिल्ली को हरियाणा से उसके हक का पानी दिलवाने के लिए जल मंत्री आतिशी शुक्रवार को जंगपुरा विधानसभा के भोगल में अनिश्चितकालीन अनशन शुरू किया हैं। इसको लेकर जल मंत्री ने एक सोशल मीडिया पर पोस्ट भी किया।जिसमें उन्होंने लिखा कि दिल्ली में पानी की कमी बरकरार है। आज भी 28 लाख दिल्ली वालों को पानी नहीं मिल रहा। हर संभव प्रयास के बाद भी हरियाणा सरकार दिल्ली को पूरा पानी नहीं दे रही। महात्मा गांधी ने सिखाया है कि अगर अन्याय के खिलाफ संघर्ष करना हो, तो सत्याग्रह का रास्ता अपनाना होगा।

आज से 'पानी सत्याग्रह' शुरू करूँगी।इससे पहले आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने हरियाणा से दिल्ली के हिस्से का पानी दिलाने के लिए

आइएनडीआइ गठबंधन से समर्थन मांगा है। प्रेसवार्ता में उन्होंने भाजपा पर दिल्ली में जल संकट उत्पन्न करने आरोप लगाया। भाजपा नेता विरोध प्रदर्शन का नाटक कर रहे हैं।

कटी उंगली बनी जी का जंजाल, 100 आइसक्रीम में हो सकता है इंफेक्शन

ब्लड टेस्ट से होगा खुलासा

मुंबई, । (एजेंसी)

मुंबई में 13 जून को आइसक्रीम में कटी हुई इंसानी उंगली मिलने का मामला सामने आया था. पुलिस द्वारा इसकी जांच जारी है. इस बीच मलाड पुलिस ने एक और जानकारी दी है. पुलिस ने बताया है कि जिस कर्मचारी की उंगली कटी थी, उसका ब्लड सैंपल लिया गया है. उसका मेडिकल भी करवाया गया है. ये पता लगाने के लिए कि कहीं उसे कोई गंभीर बीमारी तो नहीं. अगर उसका खून उंगली कटने के दौरान आइसक्रीम पर गिरा होगा तो उससे 100 से ज्यादा आइसक्रीम कोन दूषित हुए होंगे. कर्मचारी को अगर कोई गंभीर बीमारी निकली तो उन 100 से ज्यादा आइसक्रीम खाने वालों को भी खतरा हो सकता है. आपको बता दें कि मलाड में 13 जून को एक महिला ने ऑनलाइन ऐप के जरिए खाने के लिए 3 आइसक्रीम का ऑर्डर दिया. डिलीवरी होते ही महिला ने आइसक्रीम की पैकिंग खोली. वो उसे खाने ही वाली थी कि तभी उसे आइसक्रीम में इंसानी उंगली नजर आई. यह देखते ही महिला के होश फाख्ता हो गए. उसने घबराते हुए पहले तो आइसक्रीम को रख दिया. उसे लगा कि शायद उसे कोई धोखा हुआ है. लेकिन जब उसने दोबारा आइसक्रीम को देखा तो पता चला कि वो सच में ही 2 सेंटीमीटर की इंसानी उंगली है. महिला ने तुरंत इसकी जानकारी अपने घर वालों को दी. फिर मलाड पुलिस को भी इसकी सूचना दी गई. पुलिस मौके पर पहुंची और इंसानी उंगली समेत आइसक्रीम को जांच के लिए भिजवा दिया. महिला की शिकायत पर पुलिस ने यम्मो आइसक्रीम कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया. जांच में पुलिस को पता चला था कि उंगली किसी इंसान की ही है. इसके बाद पुलिस यम्मो आइस्क्रीम फैक्ट्री पुणे पहुंची. वहां जांच में यह बात सामने आई कि कुछ दिन पहले एक कर्मचारी की उंगली काम करते समय कट गई थी. पुलिस ने फिर उस शख्स का मेडिकल करवाया. उसका ब्लड टेस्ट भी किया गया. अब मेडिकल रिपोर्ट आने का इंतजार है. उसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी.

अभिनेता अनुपम खेर के ऑफिस से 4 लाख का सामान व नकद चुराया

मुंबई। (एजेंसी)

बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर के मुंबई ऑफिस में अज्ञात चोरों ने चार लाख रुपये से अधिक का सामान तथा नकद चुरा लिया. इतना ही नहीं उन्होंने वहां से सारा सामान लेकर रिक्शा से भाग निकले. इस घटना की जानकारी खुद अनुपम खेर ने पुलिस को दी और बाद में सोशल मीडिया के जरिए दी है. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. बताया गया है कि अनुपम खेर के ऑफिस में चोरी की घटना 19 जून को हुई थी. सीसीटीवी फुटेज में चोर सामान लेकर भागता नजर आ रहा है. अनुपम खेर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है. जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे चोर उनके ऑफिस में घुसे और क्या-क्या सामान चोरी कर ले गए। वीडियो में उन्होंने यह भी दिखाया है कि उनके ऑफिस का हाल कैसा है. अनुपम खेर ने कहा कि 19 जून को दो चोरों ने मुंबई के अँधेरी में वीरा देसाई रोड स्थित उनके ऑफिस का दरवाजा तोड़ दिया और अंदर घुसकर सारा सामान तहस-नहस कर दिया. इसके बाद उन्होंने करीब 4.15 लाख रुपये का सामान चोरी कर लिया. वीडियो शेयर करते हुए अनुपम ने कैप्शन में लिखा, पिछली रात वीरा देसाई रोड स्थित मेरे ऑफिस के दो दरवाजे तोड़ दिए और अकाउंट्स डिपार्टमेंट से तिजोरी चुरा ली, जिसे वे शायद नहीं तोड़ सके और हमारी कंपनी द्वारा निर्मित एक फिल्म की नेगेटिव जो एक डिब्बे में थी, चुरा लीं। हमारे कार्यालय ने एफआईआर दर्ज करवा दी है और पुलिस ने आश्वासन दिया है कि वे जल्द ही चोरों को गिरफ्तार कर लेंगे, क्योंकि दोनों चोरों को सीसीटीवी कैमरे में सामान के साथ रिक्शा में बैठते देखा गया है। भगवान उन्हें सद्बुद्धि दे. यह वीडियो पुलिस के आने से पहले मेरे ऑफिस के लोगों ने शूट किया था। इस बीच, एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि चोरों ने कुछ नकदी सहित लगभग 4.15 लाख रुपये की चोरी की है। अनुपम खेर कहते हैं कि चोरों द्वारा चुराई गई रील एक बैग में थी। चोरों ने सोचा होगा कि इसमें पैसे हैं. वह रील फिल्म मैंने गांधी को क्यों मारा की थी। अनुपम खैर ने आगे कहा कि ये एक पुरानी बिल्डिंग है. जिनमें से कुछ में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं. मुझे जो फुटेज मिला, उसमें मैं देख सकता हूं कि दो लोग हैं. पुलिस ने मुझे आश्वासन दिया है कि वे उनकी तलाश करेंगे।

राहत वाली खबर: बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, गुजरात जैसे कई राज्यों को लू से राहत

नई दिल्ली। (एजेंसी)

भीषण गर्मी और लू की मार झेल रहे कई राज्यों के लिए बड़ी राहत वाली खबर है। बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, गुजरात जैसे कई राज्यों को लू से राहत मिली है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने भी भीषण गर्मी से जूझ रहे उत्तर-पश्चिम और पूर्वी भारत के लिए अच्छी खबर दी है। आईएमडी ने जानकारी दी है कि उत्तर-पश्चिम और पूर्वी भारत में आने वाले दिनों में लू से राहत मिल सकती है, क्योंकि अगले चार से पांच दिनों तक मौसम का मिजाज बदलेगा। मॉनसून को मध्य भारत के अधिकांश हिस्सों जैसे कि बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, गुजरात के कुछ हिस्सों और अन्य स्थानों में आ जाना चाहिए था। लेकिन मॉनसून केवल उत्तरी सीमा अमरावती, गोंदिया, दुर्ग, रामपुर (कालाहांडी), मालदा, भागलपुर और रक्सौल से होकर आगे बढ़ रहा है।

आईएमडी ने जानकारी दी कि 30 जून के आसपास दिल्ली-एनसीआर में मॉनसून के आने की उम्मीद है। बता दें कि गुरुवार को दिल्ली-एनसीआर में अधिकतम तापमान 40 डिग्री रहा। यह सामान्य से एक डिग्री अधिक रहा। वहीं, न्यूनतम तापमान 29.6 डिग्री रहा। यह सामान्य से दो डिग्री अधिक रहा। गुरुवार को मौसम ने करवट ली और अधिकांश समय बादल छाए रहे। थोड़ी देर धूप निकली, लेकिन बाद में हवाओं में ठंडक महसूस हुई। हालांकि, आईएमडी ने जानकारी दी है कि अगले 3-4 दिनों में मॉनसून उत्तरी अरब सागर, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, ओडिशा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल के शेष हिस्सों, झारखंड के कुछ हिस्सों, बिहार के कुछ और हिस्सों, उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी, गंगा के मैदानी

पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम में आ सकता है।

अगले पांच दिनों में केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में भारी बारिश हो सकती है। वहीं, अगले दो दिनों में उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, असम और मेघालय में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

सिर्फ 2 साल में अंतरिक्ष संबंधी स्टार्टअप में 200 गुना की वृद्धि हुई है: मंत्री डॉ.जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली ।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), लोक शिकायत एवं पेंशन विभाग के राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज नई दिल्ली में कहा, सिर्फ 2 वर्षों में अंतरिक्ष संबंधी स्टार्टअप में लगभग 200 गुना की वृद्धि हुई है। मंत्री ने कहा कि यह बड़ी छलांग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी क्षेत्र के लिए खोलने और बड़े पैमाने पर सार्वजनिक-निजी भागीदारी की अनुमति प्रदान करने के हेतु लिए गए एक प्रमुख नीतिगत निर्णय के कारण संभव हुई है। डॉ. जितेंद्र सिंह अंतरिक्ष विभाग की 100 दिवसीय कार्ययोजना की समीक्षा के लिए आयोजित उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र की वर्तमान स्थिति, अवसरों और भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों का निरीक्षण किया। इस बैठक में भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस. सोमनाथ, उनकी टीम के सदस्य और वरिष्ठ अधिकारी उपास्थित थे। इस बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अंतरिक्ष संबंधी स्टार्टअप्स की संख्या वर्ष 2022 में 1 से बढ़कर वर्ष 2024 में लगभग 200 हो गई है, जो इन वर्षों में 200 गुना की अभूतपूर्व वृद्धि है। उन्होंने कहा कि केवल वर्ष 2023 में, लगभग आठ महीनों में भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में लगभग 1000 करोड़ रुपये का निवेश किया। डॉ.जितेंद्र सिंह ने कहा कि इसके अलावा, यह उद्योग अमृत काल के दौरान प्रधानमंत्री के सबका प्रयास के दृष्टिकोण की पुष्टि करते हुए लगभग 450 सूक्ष्म, लघु और माध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सेवाएं प्रदान करता है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि वर्ष 2030 तक वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी वर्ष 2021 की तुलना में 4 गुना बढ़ने जा रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 में, भारतीय अंतरिक्ष उद्योग का वैश्विक हिस्सेदारी में 2 प्रतिशत का योगदान दिया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत पुलिस ने चोरी के टेम्पो के साथ दो को पकड़ा, चोरी की वजह जानकर पुलिस भी हैरान

जीजा को मारने के लिए टेम्पो चोरी किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पुलिस ने चोरी हुआ टेम्पो सूरत के कपोदरा पुलिस थाना क्षेत्र से बरामद कर लिया। हालांकि, यह टेंपो क्यों चोरी हुआ, इसकी वजह जानकर पुलिस भी हैरान रह गई। आरोपी ने कबूल किया कि उसने अपने जीजा की हत्या करने के लिए यह टेम्पो चोरी किया था।

सूरत के कपोदरा इलाके से एक टेंपो चोरी हो गया. कापोद्रा थाने में टेम्पो चोरी की शिकायत दर्ज कराई गई। जब पुलिस वाहन चोरी के एक मामले की जांच कर रही थी, तो टेंपो संदिग्ध हालत में सड़क पर खड़ा पाया गया। तो पॉकेटकॉप में देखने पर यह टेम्पो चोरी का निकला। ऐसे में जब पुलिस ने इस टाम्पा के पास खड़े दो लोगों से पूछताछ की तो चौंकाने वाली जानकारी सामने आई।

महाराष्ट्र के औरंगाबाद का रहने वाला रवींद्र जारा सूरत से औरंगाबाद के लिए प्राइवेट लग्जरी बस चलाता था। अपने गृह नगर में रवीन्द्र का अपनी पत्नी से झगड़ा हो गया। हालांकि, पति-पत्नी के बीच झगड़े में सुलह की बात चल रही थी. इस समझौते के बीच राजेंद्र का साला मनोज खुश नहीं था और उसने राजेंद्र की पत्नी कविता को ससुराल नहीं भेजा. इसी बात को ध्यान में रखते हुए उसने अपने एक दोस्त के साथ मिलकर मनोज की हत्या कर उसे रास्ते से हटाने की योजना बनाई.

टेंपो चुराने के बाद वह महाराष्ट्र पहुंचा और सूरत के कपोदरा इलाके से टेंपो चुराया. टेंपो चोरी करने के बाद इस टेंपो को राजेंद्र और उसका दोस्त महाराष्ट्र ले गए थे। टेम्पा ने अपने बहनोई पर घात लगाकर हमला करने और उसे मारने की साजिश रची। हालाँकि, वहाँ उन दोनों की अपने जीजा-साले के साथ दुर्घटना करने की हिम्मत नहीं हुई और वे वहाँ से टेम्पो लेकर वापस सूरत आ गए। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और इस टेंपो को सूरत में कहीं भी बेचने की योजना बनाई. टेम्पो शेयर करने से पहले पुलिस ने दोनों का टैम्पो से पीछा किया। पुलिस ने रवींद्रशंकर जारा और उसके दोस्त भावेश भीखा लाठिया दोनों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरूकर दी है.

सीलिंग के खिलाफ मनपा कार्यालय के बाहर धरना, बैनर के साथ व्यापारियों ने सील खोलने की मांग की

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, राजकोट गेम ज़ोन में आग लगने की घटना के बाद, नगर पालिका ने सूरत में पतरे के शेड में व्यस्त गेम ज़ोन और व्यवसाय को सील करने की कार्रवाई की. सीलिंग की कार्रवाई के कारण पिछले २५ दिनों से पतरे के शेड में व्यापार करने वाले और गेम जोन चलाने वाले व्यापारियों को अपना व्यापार और रोजगार खोना पड़ा है, जिसके चलते बड़ी संख्या में व्यापारी हाथ में बैनर और पोस्टर लेकर सूरत नगर निगम कार्यालय पहुंचे और कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए और बैनर पर लिख दिया, 'हमें आत्महत्या के लिए मजबूर मत करो.'

राजकोट गेम ज़ोन में आग लगने की घटना के बाद सूरत नगर निगम द्वारा पूरे सूरत शहर में अवैध पतरे के शेड व्यापार और गेम जोन को सील किए हुए २० दिन से अधिक समय हो गया है. सीलिंग की कार्रवाई के कारण कई व्यापारियों को अपनी नौकरी और कारोबार से हाथ धोना पड़ा है. लोग पतरे के शेड बनाकर ऑनलाइन बिजनेस, रेस्टोरेंट, गैराज, फैब्रिकेशन जैसे अलग-अलग बिजनेस चला रहे थे. लेकिन फायर सेफ्टी और एनओसी की कमी के चलते सूरत नगर निगम की ओर से सीलिंग की कार्रवाई की गई. सूरत नगर निगम मुख्य कार्यालय के बाहर पतरे के शेड में विभिन्न व्यवसायों के लगभग ४०० से अधिक लोग एकत्र हुए और रोजगार शुरू करने के लिए एक प्रस्तुति दी. पतरे के शेड में संचालित २०० से अधिक विभिन्न व्यवसायों को सील कर दिया गया है. बड़ी संख्या में लोग यह अनुरोध करने के लिए उपस्थित थे कि सूरत नगर निगम के अधिकारी पुनर्विचार करें और उन्हें समय देकर व्यवसाय शुरूकरने दे

व्यापारियों ने कहा कि हम ई-कॉमर्स बिजनेस कर रहे है. २५ दिन पहले अचानक हमारे यहां सीलिंग की कार्रवाई हुई. बिना किसी सूचना के सील कर दिया गया. हमें लगा कि एक दो दिन में सील खुल जाएगी. हम जोन कार्यालय चार-पांच बार जा चुके है, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला. २० से २५ दिन हो गए लेकिन हम स्टाफ को वेतन नहीं दे पाए. किराया भी चल रहा है. हम ये सब खर्च कहां से निकालेंगे? हमें कुछ दिन का समय दिया जाए और सील खोल दी जाए. जो भी कानूनी कार्रवाई होगी हम करेंगे. हम नियमों के खिलाफ नहीं है. हम चुपचाप कहने आए है. अगर थोड़ा समय दिया जाए तो हम सभी कानूनी प्रक्रियाएं कर सकते है. २०० लोगों के यहां सील लगाया गया है, बाकी हजारों लोगों के यहां सील करने की कार्रवाई क्यों नहीं की गई.

सूरत में ट्रैफिक की समस्या पैदा करने वाले २६ जंक्शनों पर ४५ बंपर हटा दिए गए

सर्कल कम करने का काम जोरों पर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, नई ट्रैफिक सिग्नल व्यवस्था शहरवासीयों पर लागू हो चुके है. हालाँकि, कई जंक्शनों पर समय, स्पीड ब्रेकर, सर्कल आदि के कारण यातायात समस्याएँ उत्पन्न हो रही है, जिससे वाहन चालकों की सुविधा के लिए दो दिनों में २६ जंक्शनों पर ४५ स्पीड ब्रेकर हटाकर ठीक कर दिया गया है. इसके साथ ही बड़े सर्किलों को छोटा करने का काम भी जोरों से चल रहा है. जंक्शनों पर स्पीड ब्रेकर होने के कारण वाहन चालक को निकलने में समय लगता है, इसलिए जब ऐसे जंक्शनों पर ट्रैफिक की समस्या होती है, तो पुलिस ने सर्वे कराया और ऐसे स्पीड ब्रेकर हटाने और रंबल स्ट्रिप लगाने के लिए नगर पालिका को रिपोर्ट दी. इसके अलावा जो सर्किल बड़े हैं या डिजाइन में खामियां है, वहां ट्रैफिक की समस्या रहती है, इसलिए ट्रैफिक शाखा ने ऐसे सर्किलों को छोटा करने समेत सुधार करने का प्रस्ताव दिया है. पीपीपी के तहत सर्किलों का सर्वे कर निर्णय लिया जाएगा, जबकि नगर पालिका के स्वामित्व वाले सर्किलों की प्रक्रिया जल्द पूरी की जाएगी

सूरत पुलिस आयुक्त के मार्गदर्शन में सिग्नलों के उचित कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने और लोगों के यात्रा समय को कम करने के लिए सूरत शहर में सड़क इंजीनियरिंग सुधार शुरूकिए गए है. जिसके तहत सूरत शहर के कुल २६ जंक्शनों पर लगभग ४५ बंपर हटाए गए है. साइंस सिटी सर्किल में फिलहाल सर्किल संकुचन का काम चल रहा है. यातायात नियमन की सुविधा के लिए उमिया सर्कल के पास डिवाइडर हटा दिया गया है. फिर भी, प्रत्येक सर्कल और सड़क पर यातायात को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने के लिए, धक्कों को हटाने, बड़े सर्कल के आकार को कम करने, डिवाइडर कट को बंद करने और जहां आवश्यक हो वहां डिवाइडर बढ़ाने की प्रक्रिया सूरत नगर निगम के सहयोग से की जाएगी.

स्मीमेर अस्पताल में पेशेंट को चढ़ी हुई बोतल के साथ यूरिन सैंपल के लिए भेजा गया-पार्षद रचना हिरपरा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,सूरत नगर निगम संचालित स्मीमेर अस्पताल लगातार विवादों में बना हुआ है. जबकि थाई लड़की कांड अभी भी चल रहा है, एक और मामला सामने आया है. एक मरीज को चढ़ाई गई बोतल के साथ यूरिन का नमूना देने के लिए भेजा गया. इसी बीच अस्पताल कमेटी के एक सदस्य की नजर में यह लापरवाही सामने आई. इसके बाद जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की गई है.

सूरत नगर निगम की अस्पताल समिति की सदस्य और आम आदमी पार्टी की पार्षद रचना हिरपरा ने कहा, ''मैं और पार्षद महेश अणघण स्मीमेर अस्पताल में रक्तदान करने गए थे क्योंकि इन दिनों स्मीमेर अस्पताल में रक्त की आवश्यकता है.'' तभी हमने एक दुखद दृश्य देखा. एक मरीज हाथ में बोतल चढ़ते हुए भी इस बोतल को लेकर यूरिन का सैंपल देने जा रहा था. इन दृश्यों को देखने के बाद मरीज को रोका गया और पूछा गया तो उसने बताया कि जिस वार्ड में मैं भर्ती हूं वहां की नर्स ने मुझसे कहा था कि आपको यह यूरिन सैंपल तुरंत देना होगा. तो वह मरीज तुरंत देने पहुंच गया. लेकिन ऐसे में अगर इस मरीज को कुछ हो गया तो कौन जिम्मेदार होगा. मामले की सूचना आरएमओ कार्यालय को दी गई.

आगे उन्होंने बताया की आरएमओ से पूछा गया कि इस हालत में यह मरीज बाहर कैसे जा सकता है? इस मरीज को अपना ही सैंपल देने के लिए कितना मजबूर किया गया है. आरएमओ की ओर से कहा गया कि ये सारी जिम्मेदारी सिक्योरिटी की है. इसलिए सिक्योरिटी प्रमुख से मिलने सिक्योरिटी कार्यालय पहुंचे. उन्होंने कहा कि हमारी जिम्मेदारी है कि कोई भी मरीज अस्पताल से बाहर न जाए. पार्षद रचना हिरपरा ने कहा अगर ऐसी हालत में मरीज बाहर चले गए और उन्हें कुछ हो गया तो कौन जिम्मेदार होगा. इसलिए इस मामले में जो भी जिम्मेदार हो, नर्स, वार्डबॉय या डॉक्टर, उन पर कार्रवाई होनी चाहिए. इस मामले में मेरा कहना है कि उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए.

स्विमिंग पूल कार्यालय के अंदर शराब पार्टी करते एसएमसी कर्मचारी रंगे हाथ पकड़े गए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत नगर निगम के कर्मचारीयों द्वारा कतारगाम सिंगणपोर स्विमिंग पूल के कार्यालय में शराब का आनंद लेते हुए एक जागरूक नागरिक ने वीडियो बनाया. इस वीडियो में साफ दिख रहा है कि शराब पी रहे थे. रेड पड़ते ही सभी दुम दबाकर भाग खड़े हुए. जब इसकी जानकारी स्थानीय पार्षद को हुई तो पार्षद नरेंद्र पांडव ने पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी.

सिंगणपोर इलाके में स्विमिंग पूल के अंदर सूरत नगर निगम के अधिकारी रात में शराब पार्टी कर रहे थे और जागरूक नागरिक ने उन्हें रंगे हाथों पकड़ लिया. यह जागरूक नागरिक अचानक कार्यालय के अंदर पहुंच गया और सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को शराब पीते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया. उन्होंने इस मामले की जानकारी वार्ड नंबर ७ के पार्षद नरेंद्र पांडव को दी. स्विमिंग पूल के अधिकारी और कर्मचारी अंदर ऑफिस में बैठकर शराब पार्टी कर रहे थे और मैच देख रहे थे. अधिकारियों ने अचानक जागरूक नागरिक को वीडियो बनाते देखा और भागने लगे. मौज-मस्ती करने वालों में एक इंस्पेक्टर और एक ठेकेदार के साथ-साथ तैरने के लिए आए सभ्य के साथ एक चौकीदार भी था. सभी नगर निगम अधिकारी हैं और तृतीय श्रेणी अधिकारी के रूप में कार्य करते है. हालांकि, सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और सभी अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी. वीडियो में साफ दिख रहा है कि शराब की पार्टी कर रहे अधिकारियों के पास से शराब की बोतल भी बरामद हुई है.

सिंगणपोर पुलिस ने सिंगणपोर के स्विमिंग पूल में शराब का आनंद लेने के मामले में पांच आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज की है. जिसमें पंकज गांधी, तेजस खलासी, संजय भागवाकर, पिनेश सारंग और अजय शेलर नाम के आरोपी शामिल है. आरोपी पंकज गांधी सूरत नगर निगम में सीनियर इंस्पेक्टर, तेजस खलासी सेविंग इंस्पेक्टर और पिनेश सारंग और अजय सेलर इंस्पेक्टर के पद पर काम करते है. सभी आरोपियों के खिलाफ सूरत नगर निगम की ओर से भी जल्द कार्रवाई की जा सकती है.

सूरत जिला होम गार्ड के जिला कमांडेंट डॉ. प्रफुल्ल शिरोया के मार्गदर्शन में योग दिवस मनाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, विश्व योग दिवस के मौके पर देशभर में योग कार्यक्रम आयोजित किए गए. जिसके चलते सूरत के स्कुल, सोसाइटी, अलग अलग ग्रुपों द्वारा योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसके उपरांत सूरत जिला होम गार्ड के जिला कमांडेंट डॉ प्रफुल्ल शिरोया के मार्गदर्शन में भी योग दिवस का कार्यक्रम रखा गया. जिसमें योग शिक्षक के रूप में होम गार्ड के प्रकाश मौर्य ने योगाभ्यास किया. इस कार्यक्रम अधिकारी, एनसीओ, होम गार्ड के जवानों सहित १०० से अधिक ने योग, व्यायाम और प्राणायाम किया. सभी को अलग-अलग योग आसन कराए गए. उन्होंने अनुलोम-विलोम समेत कई आसन किए हैं और लोगों को स्वस्थ रहने के लिए योग करने का अनोखा संदेश दिया.

वनबंधु परिषद महिला समिति द्वारा विश्व योग दिवस पर योग कार्यक्रम का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, वनबंधु परिषद महिला समिति द्वारा विश्व योग दिवस के मौक़े पर सिटी-लाईट स्थित अग्रम स्कूल के विधार्थियों के साथ योग का कार्यक्रम रखा गया. आयोजन में जलपा मोदी द्वारा योग डांस एवं डॉ. शिवानी बिलीमौर्या द्वारा योग करवाया गया. कार्यक्रम में महिला समिति की रितु गोयल, ज्योति पंसारी, विजया कोकड़ा, अशिता नांगलिया, डिंपल फ़तेहपुरिया सहित अनेकों सदस्यों के अलावा १५० विधार्थी उपस्थित रहें. आयोजन में छात्रों को विधार्थी जीवन में योग के महत्व के बारे में बताया गया.